हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 28 ■ नई दिल्ली 08 से 14 मई 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

फिल्मी बैकग्राउंड से न आने पर करना पड़ता है संघर्ष

पाकिस्तान ने फिर दुस्साहस किया तो 'जो अब तक नहीं हुआ, वह होगा' : राजनाथ सिंह

जयपुर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यदि उसने फिर से भारत की ओर नजर उठाने का दुस्साहस किया, तो जो अब तक नहीं हुआ है, वह होकर रहेगा।

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने नया इतिहास रचा है। रक्षामंत्री ने नागौर जिले के मेड़ता कस्बे में राजपूत शासक राव दूदा की प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, 'संभव है कि पाकिस्तान अब जल्दी भारत की ओर नजर उठाने की जुर्रत न करे, लेकिन मैं आज इस धरती से कहकर जा रहा हूं कि यदि उसने फिर से ऐसा दुस्साहस किया, तो जो अब तक नहीं हुआ है, वह होकर रहेगा।

सिंह ने कहा, शुरू से ही हमारी नीति रही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, लेकिन यदि कोई हमें छेड़ता है, तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं।

पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने लोगों से उनका धर्म पूछकर हत्या की।

रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारतीय संस्कृति जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव की अनुमति नहीं देती। हम इंसाफ और इंसानियत में विश्वास रखते हैं, लेकिन पाकिस्तान से आए आतंकवादी लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोलियों से भून रहे थे।

उन्होंने कहा, 'पूरा देश इस घटना से आक्रोशित था। इसके बाद हमने ऐसा करारा जवाब दिया कि दुश्मन के होश उड़ गए। हमने साबित कर दिया कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। यदि कोई हमारे नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसके घर में घुसकर जवाब देंगे। यह संदेश हम दे चुके हैं।

सिंह ने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी सुरक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव किए हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति 'कतई न बर्दाश्त करने' की होगी और इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने राजनीति शब्द के वास्तविक अर्थ और भाव को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, 'राजनीति शब्द 'राज' और 'नीति' से मिलकर बना है। नीति का अर्थ समाज को सही दिशा में ले जाना होता है। ऐसा राजनीतिक तंत्र, जो समाज को सन्मार्ग की ओर ले जाए, वही वास्तविक राजनीति है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीति शब्द अपना मूल अर्थ खोता जा रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उनकी सरकार ने इसे पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया और उसमें सफलता प्राप्त की। रक्षामंत्री ने कहा कि सरकार विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चल रही है।

उन्होंने कहा, अपने जननायकों को याद करना, उन पर गर्व करना और उनकी शिक्षाओं को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

महिलाओं के सम्मान का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि यह केवल नारा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा है। उन्होंने कहा कि जिस समाज में महिलाओं का सम्मान नहीं होता, वह कभी प्रगति नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से लेकर महिला सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने तक, हर स्तर पर महिलाओं को सशक्त करने के लिए काम कर रही है।

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी विधेयक का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि सरकार महिलाओं को उनका राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, इस कार्य में समय लग सकता है, लेकिन हमारा संकल्प अटल है। दुनिया की कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है।

तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकतेः राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया है और कहा है कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा अब पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकती श्री सिंह ने गुरुवार को यहां प्रमुख रणनीतिक संवाद 'कलम और कवच' में अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि इस मंच का नाम ही देश के भविष्य के सुरक्षा ढांचे की सशक्त दृष्टि को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'कलम विचारों, तर्क और आगे की सोच रखने के साहस का प्रतीक है। कवच शक्ति, सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा करने की क्षमता का प्रतीक है। जो देश स्पष्ट रूप से सोच सकता है और मजबूती से अपनी रक्षा कर सकता है, वही दुनिया में ऊंचा खड़ा होता है। हम ऐसे ही भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं। वैश्विक संघर्षों के बदलते स्वरूप पर श्री सिंह ने कहा कि दुनिया भर में रणनीतिक परिदृश्य लगातार अधिक अनिश्चित, प्रतिस्पर्धी और प्रौद्योगिकी-आधारित होता जा रहा है।उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, संघर्ष, साइबर खतरे, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी और हाइब्रिड युद्ध के उभरते स्वरूपों को देशों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती बताया।

ब्रिक्स सम्मेलन में आए विदेश मंत्रियों से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने आए विदेश मंत्रियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। पहले से ही यह कार्यक्रम निर्धारित था। विदेश मंत्रालय ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी थी।

प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ में सबसे संयुक्त मुलाकात की। तय कार्यक्रमानुसार शाम 7 बजे विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से भारत मंडपम में रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा।

गुरुवार सुबह बैठक में शामिल होने के लिए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची दिल्ली पहुंचे। भारत मंडपम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया भर से पधारे विदेश मंत्रियों का विधिवत स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एस. जयशंकर ने वैश्विक मुद्दों पर भारत के स्पष्ट रुख का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, शांति और सुरक्षा वैश्विक व्यकवस्थाम के केंद्र में हैं। उन्होंने कहा कि हाल के संघर्षों ने संवाद और कूटनीति के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया है। इस जटिल और अनिश्चित दुनिया में चचाओं को समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। डॉ. जयशंकर ने कहा कि तकनीकी प्रगति, वैश्विक परिदृश्यन को नया आकार दे रही है और इसका उपयोग सुशासन तथा समावेशी विकास के लिए किया जा सकता है। उन्होंतने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सहयोग मजबूत करने को लेकर भी साझा हित जुड़े हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लाल सागर का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि समुद्री रास्तों में बाधा और ऊर्जा ढांचे पर खतरे पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री प्रवाह बेहद जरूरी है।

बैठक में ब्रिक्सब देशों के विदेश मंत्री तथा सदस्य और भागीदार देशों के शिष्टऐमंडल प्रमुख भाग ले रहे हैं। भारत की अध्यिक्षता में आयोजित इस वर्ष का विषय है– लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। यह विषय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मानवता प्रथम और जनकेंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित है।

ब्रिक्स बैठक से दुनिया को ज्यादा स्थिर और न्यायपूर्ण रास्ता मिलेगा : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को भरोसा जताया कि नई दिल्ली में चल रही ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हुई चचाएं दुनिया को ज्यादा स्थिर, न्यायसंगत और सबको साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था बनाने में मदद करेंगी।

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में पहुंचे विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दुनिया लगातार ज्यादा जटिल और अनिश्चित होती जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों पर पड़ रहा है।

उन्होंने ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ज्यादा प्रभावी कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित और बिना रुकावट समुद्री आवाजाही बेहद जरूरी है, क्योंकि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था जुड़ी हुई है।

जयशंकर ने भरोसेमंद सप्लाई चेन और विविध बाजारों की जरूरत पर भी जोर दिया, ताकि आर्थिक मजबूती बनी रहे।

उन्होंने कहा कि अच्छी शासन व्यवस्था और सबको साथ लेकर विकास के लिए तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरी है। साथ ही, भरोसे, पारदर्शिता और तकनीक तक बराबर पहुंच से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का समाधान बातचीत, कूटनीति और आतंकवाद के खिलाफ मजबूत सहयोग से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई और अस्थाई दोनों श्रेणियों में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्ले टफॉर्म 'एक्सर' पर लिखा, 'भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का फोकस मजबूती, नवाचार, सहयोग और टिकाऊ विकास पर है। हमें भरोसा है कि ब्रिक्स इंडिया 2026 की चचाएं दुनिया को ज्यादा स्थिर, न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने में मदद करेंगी। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में भारत की अध्यक्षता में शुरू हुई। इस अहम बैठक की अध्यक्षता जयशंकर कर रहे हैं, जिसमें ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सार्वजनिक जगहों पर पशु वध पर लगाया प्रतिबंध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता संभालने के चार दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर पशु वध पर प्रतिबंध लगाने वाली अधिसूचना जारी की।

अधिसूचना में राज्य सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 को पूरे राज्य में सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह कलकत्ता उच्च न्यायालय के 6 अगस्त, 2018 के फैसले और 8 जून, 2022 को जारी संबंधित सरकारी दिशानिर्देश के अनुसार जारी की गई है। यह अधिसूचना ऐसे समय में आई है जब आरोप लगे थे कि एक विशेष समुदाय सड़क पर पशुओं का वध कर रहा था, जिससे आस-पड़ोस में रहने वाले अन्य लोगों को असुविधा हो रही थी। आठ सूत्रीय निर्देश में, राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल के सभी वैध बूचड़खानों को पशु वध संबंधी कानून के प्रावधानों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। अधिसूचना के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को बैल, बछड़े, गाय, बछड़े, नर और मादा भैंस, भैंस के बच्चे और बधिया भैंस सहित किसी भी पशु का वध करने की अनुमति नहीं होगी, जब तक कि पशु को वध के लिए उपयुक्त घोषित करने वाला प्रमाण पत्र प्राप्त न हो जाए। अधिसूचना में कहा गया है कि ऐसे प्रमाण पत्र नगरपालिका के अध्यक्ष या पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से जारी किए जा सकते हैं। प्रमाण पत्र तब जारी किया जा सकता है जब अधिकारी लिखित रूप से संतुष्ट हों कि पशु 14 वर्ष से अधिक आयु का है और प्रजनन या काम के लिए उपयुक्त नहीं है, या आयु, चोट, विकृति या बीमारी के कारण स्थायी रूप से अक्षम हो गया है। इसमें आगे कहा गया है कि यदि ऐसे प्रमाण पत्र के लिए आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाता है, तो प्रभावित व्यक्ति अस्वीकृति प्राप्त होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार से संपर्क कर सकता है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में दिखी भारी अनियमितता, योजनाएं हुई कागजों तक सीमित

अरसद अली

छत्तीसगढ़: बिलासपुर की टीम कोरबा जिले के महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी लेने जब विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची तब पता चला कि महिला बाल विकास विभाग के ऑफिस की तरह ही आंगन बाड़ियों में भी शासकीय योजनाएं कागजों में ही चल रही हैं। दिनांक 4 व 5 मई को टीम कोरबा शहर के कुछ केन्द्रों में जब पहुंची तब यह देखने को मिला कि जहां -जहां गए यदि उसी का प्रतिशत की बात की जाए तो लगभग 70 प्रतिशत केन्द्रों में ताले लगे हुए थे, 20 प्रतिशत केन्द्र जो खुले मिले उसमें से 10 प्रतिशत केन्द्रों में कोई बच्चे नहीं मिले,10 प्रतिशत केन्द्रों में ही बच्चे, कार्यकर्ता ,सहायिका, मिली उन्हीं 10 प्रतिशत केन्द्रों में बच्चों का भोजन भी बना हुआ मिला लेकिन वहां भी बच्चों की संख्या कम जरूर थी, 10 प्रतिशत केन्द्र जो कहीं ना कहीं भाड़े के मकान में लग रहा है, वहां की स्थिति बद से बदतर हैं, उन्हीं में से कुछ केंद ऐसे

हैं, जिसमें यदि दर्ज बच्चों के हिसाब से देखा जाए तो बच्चों के खड़े होने तक की जगह नहीं है, वहां बच्चे कैसे पढ़ते होंगे यह समझ के पड़े हैं। आंगन बाड़ियों से संचालित योजनाएं सेक्टर सुपरवाइजर की मिली भगत से भ्रष्टाचार के आगोश में समा गई हैं। देखने से ऐसा प्रतीत होता हैं कि परियोजना अधिकारी और कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय तक इस भ्रष्ट्राचार में शामिल हैं। हर साल केन्द्रों की लिपाई -पोताई के लिए लगभग 3000/रुपए जो आता हैं वह भी भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ जाता हैं, पूरे केंद्र की पुताई न करके केवल एक या दो दीवाल की पुताई करके पूरा पैसा लेकर ये सभी जिम्मेदार अधिकारी, कर्मचारी व ठेकेदार खा जाते है। केंद्रों में दर्ज संख्या के आधार पर सारी योजनाएं लागू होती हैं लेकिन हितग्राहियों की स्थिति अलग है। इसी का फायदा उठा कर बचे हुए सामग्री को संभवत बेंच दिया जाता हैं।और भ्रष्टाचार में लिप्त लोग आपस में बांट लेते हैं। आंगन बाड़ियों में दिए जाने वाले सामान इतने घटिया स्तर का रहता हैं कि कुछ दिनों में ही टूट फुट जाता हैं। यदि सत्यापन कराया जाए तो पता चलेगा कि तमाम सामग्री तो केन्द्रों तक पहुंची ही नहीं है। रास्ते में ही हेरा -फेरी कर दी गई है। आंगन बाड़ियों में लगने वाली ळ श, वाटर फ्ढ, वाल प्रिंट तो 30 प्रतिशत केन्द्रों में भी नहीं लगा है। ऐसा प्रतीत होता है कि परियोजना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के अधिकारी केन्द्रों में जाते ही नहीं हैं। आफिस में ही बैठकर अउ की हवा खा रहे हैं। यह सब हाल तब है जब पूरे छत्तीसगढ़ के साथ -साथ कोरबा में भी लोक सुराज अभियान दस्तक दे चुका है। अब देखना है कि समाचार प्रकाशन के बाद प्रशासन क्या रुख अख्तियार करता है, सही मायने में तो आंगन बाड़ियों, नन्द घरों, बाल बाड़ियों की स्थिति ठीक नहीं है। सरकार को इसपर ध्यान देने की जरूरत है। इन सभी भ्रष्टाचार की शिकायत कई बार कार्यालयों में पहुंचती हैं, लेकिन जब जिम्मेदार लोग ही इन भ्रष्टाचार में शामिल हैं तो जांच भला कैसे होगी, वहीं कहावत चरितार्थ हो रही हैं कि जब रक्ष क ही भक्ष क बन जाता हैं तो बिस्वास नाम की चीज ही नहीं बचती हैं। इंडिया न्यूज दर्शन संभाग बिलासपुर की टीम आंगन बाड़ियों की स्थिति से सेक्टर सुपरवाइजर से लेकर परियोजना अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय तक पहुंच दी है और आशा करती हैं कि संभवत आगे चलकर सब ठीक जायेगा।

सफाई समस्याओं पर नगरायुक्त हुई सख्त, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर में मंगलवार को नगर निगम में जनसुनवाई के दौरान आई साफ-सफाई से सम्बंधित समस्याओं के लिए नगरायुक्त शिपू गिरि ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कराकर अविलंब समस्याओं के निदान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई सम्बंधी समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लेकर उनका समाधान कराएं। जनसुनवाई में मंगलवार 12 मई को आई 11 समस्याओं में से सफाई सम्बंधी एक समस्या का तत्काल समाधान कराया गया। वार्ड संख्या 32 खान आलमपुरा निवासी मौहम्मद निजाम, वार्ड 31 मानकमऊ दक्षिणी भारत डेरी वाली गली निवासी साजिद अंसारी, वार्ड संख्या 47 हिरन मारान निवासी लव भटनागर, वार्ड संख्या 23 मौहल्ला अंसारियान छोटा इमामबाड़ा निवासी इंतजार जैदी, इसी वार्ड के लियाकत जैदी, वार्ड 19 गोपाल नगर निवासी नगेंद्र कुमार, वार्ड 16 साउथ सिटी निवासी दीपक गोयल व वार्ड 44 बुड्ढी माई चौंक निवासी शाहबुद्दीन ने अपने मौहल्लों व कॉलोनियों में नालियों और गलियों की साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिए थे, जिस पर नगरायुक्त ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई करने को कहा।

इसके अलावा वार्ड संख्या 42 भारत माता चौंक नुमाईश कैंप निवासी संजय ने भारत माता चौंक स्थित ऊपरी मंजिल की दुकानों से साइन बोर्ड व फलेक्स हटवाने के लिए प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इनके कारण ऊपरी मंजिल के दुकानदारों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। वार्ड 47 के लव भटनागर ने हिरन मारान में नालियों से अतिक्रमण हटवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। नगरायुक्त ने उक्त दोनों प्रकरणों में प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण के उपरांत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व मृत्युंजय महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार व मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश चंद सहित सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ सम्पन्न, भक्ति में डूबे हजारों श्रद्धालु

मांगा राम

राजस्थान: जालौर जिले की चितलवाना तहसील के रातोड़ा गांव में भक्ति और शक्ति का एक ऐसा अद्भुत नजारा देखने को मिला, जिसे वर्षों तक याद रखा जाएगा। यहां स्थित श्री आनंदगिरी माताजी मंदिर में 6 मई से 10 मई तक पांच दिवसीय भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पूरे धार्मिक महोत्सव का आयोजन परम पूज्य हंस गिरी जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

महाराज श्री के निर्देशन में विद्वान पंडितों द्वारा वेदोक्त मंत्रोच्चार के साथ माता जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। महोत्सव के अंतिम दिन शुभ मुहूर्त में मूर्ति स्थापना की गई, जिसके साक्षी हजारों श्रद्धालु बने। भजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब, बिखरी सुरों की छटा। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रख्यात कलाकारों ने सुप्रसिद्ध भजन गायक श्याम जी पालीवाल ने अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। रणवीर सिंह राठौड़ और कुंभाराम गोदारा ने राजस्थानी भजन और लोक गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। राजस्थान के गौरव प्रकाश जी माली और छगन देवासी जी ने समां बांधा, जहां पांडाल भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। गुजरात की सुप्रसिद्ध कलाकार भगवती गोस्वामी और अशोक सुथार ने शानदार भजनों की प्रस्तुति दी। साथ ही लोक साहित्यकारों ने राजस्थानी संस्कृति और इतिहास की गौरव गाथाएं सुनाईं।

मुख्य अतिथि और विशेष उपस्थिति

इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कलाकार गमन संथाल उपस्थित रहे, जिनका रातोड़ा ग्रामवासियों द्वारा भव्य स्वागत और बहुमान किया गया। 10 मई को महोत्सव के समापन अवसर पर शंभू गिरी जी महाराज की स्मृति में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पूरे रातोड़ा गांव ने अद्भुत एकता का परिचय देते हुए इस महाप्रसाद (भोजन) की संपूर्ण व्यवस्था संभाली। हजारों की संख्या में आए श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें गांव की महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए सहभागिता की।

आसीवन क्षेत्र में आंधी-तूफान का कहर, पेड़ गिरने से एक छात्र की हुई मौत

सूरज कुमार

उत्तर प्रदेशः आसीवन थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर अचानक आई तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचा दी। यूकेलिप्टस का पेड़ गिरने से एक किशोर की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाबा खेड़ा गांव निवासी अंश (9) पुत्र जगदीश, गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था। बुधवार को वह मकबूल खेड़ा गांव स्थित आम मंडी में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, जहां फूस का छप्पर बनाया जा रहा था। इसी दौरान तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। अंश पेड़ के नीचे खड़ा हो गया, तभी अचानक यूकेलिप्टस का पेड़ गिर पड़ा, जिसकी चपेट में अंश सहित बरहा खुर्द निवासी रजेपाल (42) पुत्र चतुरी तथा मकबूल खेड़ा निवासी अमित (30) पुत्र लक्ष्मण दब गए।

ग्रामीणों ने हैड्रा मशीन बुलाकर कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला और मियागंज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अंश को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रजेपाल और अमित को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। मृतक अंश दो भाइयों और दो बहनों में दूसरे स्थान पर था। बेटे की मौत से मां पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन पुलिस को सूचना दिए बिना शव गांव ले गए। मौलवी खेड़ा गांव निवासी दिनेश पुत्र कल्लू के घर की दीवार आंधी के दौरान गिर गई, जिससे दिनेश और उनकी पत्नी सरोजनी घायल हो गए। दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नैमुल्ला खेड़ा गांव निवासी बहादुर पुत्र पूरन खेत पर गया था, तभी आंधी और ओलावृष्टि की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जारुल्लानगर गांव निवासी मुन्ना मंसूरी के मकान पर पेड़ गिरने से घर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं भूपति खेड़ा निवासी राम बाबू पुत्र श्यामलाल की पक्की दीवार गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। मियागंज से गैस सिलेंडर की डिलीवरी लेकर रसूलाबाद जा रहे पिकअप लोडर पर पेड़ गिर गया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। संयोगवश चालक कुछ देर पहले ही वाहन से उतर गया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रसूलाबाद निवासी रामलखन का मवेशी भी पेड़ के नीचे दबकर मर गया। तेज आंधी के चलते मुख्य और संपर्क मार्गों पर जगह-जगह पेड़ गिरने से आवागमन बाधित हो गया। कई स्थानों पर विद्युत लाइनें और पोल टूटने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। ओलावृष्टि से आम बागवानों को भारी नुकसान हुआ तथा कच्चे आम झड़ गए। उरद, मूंग और सब्जियों की फसलें भी बर्बाद हो गईं। आंधी का असर मियागंज, आसीवन, कुरसठ, बारी थाना, रसूलाबाद, कुलहा अटौरा, मुशीराबाद, मुजफ्फरपुर सर्रा, कादिरपुर, खैरनपुर गवांसा, खानपुर पीर अली, मुरव्वतपुर, जहांगीरनगर, मल्हीमऊ, बिनैका, रामपुर कला, मीरपुर मरोचा, बनौनी, सरम्बा, महेंद्र, सालेनगर सहित दर्जनों गांवों में देखा गया, जहां जनजीवन प्रभावित रहा।

एक नजर

कलश यात्रा के बाद सत्ता दिवसीय श्रीमद् भागवत पुराण कथा का हुआ शुभारंभ

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेश: मियागंज उन्नाव ब्लॉक मियागंज क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम महेंद्र में आज क्लस यात्रा के बाद श्रीमद् भागवत पुराण की कथा का एक सप्ताह के लिए गांव में प्रारंभ हुई, जिसमें आज पहले ही दिन से श्रद्धालु श्रोतागढ़ की भारी भरकम में भीड़ दिखाई दी। बताते चलें कि है इस भागवत पुराण कथा के वक्ता श्री ब्यास महराज जी के रूप में अरविंद कुमार शास्त्री जी और परिक्षित के रूप में श्रवण कर रहे श्रोता अरुण कुमार जी। और इसी के साथ पूरा गांव समाज श्रीमद भागवत पुराण की कथा को श्रवण कर भक्ति मय रास लीला को देखकर आनंद की डुबकी लगा रहे है। और साथ में प्रभु की अनेक रासलीला और सुंदर सुंदर झाकियों का दिग्दर्शन कर आनंदित हो रहे हैं गांव महेंद्र के समस्त भागवत पुराण के श्रोता गढ़। और यह क्रम गांव में ऐसे ही सात दिनों तक भक्ती मय माहौल बना रहेगा। जिससे भगवान के श्रद्धालु भक्तगण आनंदित होकर श्रीमद भागवत पुराण कथा में सात दिनों तक भक्ती मय डुबकी लगाते रहेंगे।

बिजली पासी किले पर पासी सेना की हुई बैठक, समाज उत्थान व शिक्षा जागरूकता पर दिया जोर

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेश: जनपद लखनऊ के बिजली पासी किले पर पासी सेना संघटन की समीक्षा बैठक में शामिल हुए सभी सम्मानित साथियों वह भाइयों को धन्यवाद एवं आभार महाराजा बिजली पासी किले पर आज की बैठक में समाज के उत्थान और जागरूकता को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नशा छोड़ो समाज जोड़ो अभियान को मजबूत किया जाएगा। पासी समाज को एग्जिट कर सामाजिक शक्ति बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। समाज के बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर प्रतियोगी परीक्षा-२ स्रू२ २२ू आदि की तैयारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। सभी साथियों से अपील की गई है कि अपने बच्चों को ऐतिहासिक किलों वस्थलों पर ले जाकर अपने महाराजाओं को गौरवशाली इतिहास से परिचित कारण शिक्षित समाज ही मजबूत समाज बनता है। पासी पड़ेगा पासी बढ़ेगा तीन मूल मंत्र एकता शिक्षा संघर्ष बैठक में मुख्य अतिथि के के रघुवंशी जी व राजन रावत राष्ट्रीय अध्यक्ष व सचिन रावत डॉ सूरज गौतम भाकियू जिला अध्यक्ष अभिषेक रावत भी मौजूद रहे एवं समस्त पदाधिकारी व सदस्य भी बैठक में मौजूद रहे।

हिंदी की गूंज से गूंजा स्कूल, ज्ञान प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया दमखम

घनश्याम दास

हरियाणा: कैथल शहर में स्थित एस आर डी पब्लिक स्कूल में हिंदी प्रचार-प्रसार सभा के माध्यम से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी प्रचार-सभा के कुशल नेतृत्व में स्कूल परिसर में अध्यापकों व छात्रों के समक्ष हिंदी भाषा का प्रचार किया गया। और सामान्य ज्ञान पर छात्र- छात्राओं के बीच एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता कराई गई, इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने हर्ष के साथ मिलकर बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता सम्पन्नता पर विजयी छात्रों को कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया गया। जिसमें कक्षा सात के छात्र अनीश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं रिया,गुरुवंश,वंश और भूपेश ने द्वितीय स्थान पर विजय प्राप्त की। कार्यक्रम में इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सबका मन मोह लिया,और विजयी छात्रों को पुरस्कार स्वरूप स्कूल सामग्री कॉपी व पैन वितरित किये गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य माननीय श्री

सत्यवान जी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में विविध ज्ञान प्रदान किया जाता है। डॉक्टर आर डी बिबयान ने हिंदी की दशा

एंव दिशा बताई तथा प्रतियोगिता कराई। हरि सिंह सिंहमार ने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जी के जीवन काल पर एतिहासिक चर्चा की, इंस्पेक्टर रणबीर सिंह ने अनुशासन के अंतर्गत शासन प्रशासन के ज्ञान का महत्व बताया तथा रितु मैडम ने कार्यक्रम का अनुभवी एंव सफल संचालन कर कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। आयोजन के मौके पर प्रधानाचार्य श्री सत्यवान जी, डॉक्टर आर डी बिबयान जी, हरि सिंह सिंहमार जी, इंस्पेक्टर रणबीर सिंह जी व माननीया रितु मैडम एंव छात्र आदि अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाइक सवार बदमाशों का हमला, पूर्व प्रधान गंभीर रूप से घायल

अबसार अहमद

उत्तर प्रदेश: कौशाम्बी जनपद के संदीपन घाट थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब हररायपुर चौकी अंतर्गत आलमचंद गांव के पूर्व प्रधान मनोज कुमार हेला पर बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस वारदात से पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व प्रधान मनोज कुमार हेला पुत्र स्वर्गीय सुंदरलाल उर्फ बुद्धन रोज की तरह सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान गांव के बाहर महेश्वरी प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पीछे पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक हमला बोल दिया और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने मनोज कुमार को चार गोलियां मारीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े।

गोलीबारी की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही सीओ चायल अभिषेक सिंह, फोरेंसिक टीम और संदीपन घाट थाना पुलिस भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल से चार कारतूस के खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच-पड़ताल में जुट गई है और हमलावरों की तलाश के लिए कई टीमों को लगाया गया है।

भीनमाल दौरे पर आईजी का संदेश, नशे के खिलाफ समाज और पुलिस आएगें साथ

अशोक भंडारी

राजस्थान: भीनमाल मुकेश सोलंकी राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एएनटीएफ के पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बुधवार को भीनमाल दौरे के दौरान नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई का स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अब नशे के सौदागरों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा, ह्लआप हमें नशेड़ियों और नशा बेचने वालों की सूचना दें, हम आपको नशा मुक्त समाज देंगे।

वार्षिक निरीक्षण के तहत भीनमाल पहुंचे आईजी विकास कुमार का पुलिस थाना परिसर में जवानों द्वारा सलामी

देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष नरेश अग्रवाल के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने आईजी तथा जालोर एसपी शैलेन्द्रसिंह इंदौलिया का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया।

थाने का निरीक्षण, व्यवस्थाओं की समीक्षा

आईजी ने वृताधिकारी कार्यालय और भीनमाल पुलिस थाने का गहन निरीक्षण किया तथा पौधारोपण भी किया। निरीक्षण के दौरान स्वागत कक्ष, महिला डेस्क, वायरलेस संदेश प्रणाली, अनुसंधान कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, मालखाना, रिकॉर्ड रूम एवं जब्त वाहनों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से नशा तस्करी की रोकथाम पर लगातार कार्रवाई करने तथा युवाओं को नशे से बचाने के लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

खाकी की गरिमा बनाए रखना प्राथमिकता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईजी विकास कुमार ने कहा कि पुलिस की वर्दी की गरिमा बनाए रखना हर अधिकारी और जवान की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही नशा मुक्त राजस्थान का सपना साकार हो सकता है। नशा केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

छह माह में 700 करोड़ की नशीली सामग्री जब्त

आईजी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा छह माह पूर्व गठित एएनटीएफ को नशे के विरुद्ध विशेष अभियान की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने करीब 700 करोड़ रुपये की नशीली सामग्री जब्त कर 250 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि त्वरित धन कमाने की चाह में कुछ लोग युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

ऑपरेशन ह्यलक्ष्मण रेखाह्न की शुरूआत

उन्होंने जानकारी दी कि जालोर जिले से ह्लऑपरेशन लक्ष्मण रेखाह्व शुरू किया गया है, जिसके तहत स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान एवं विश्वविद्यालयों के 500 मीटर क्षेत्र में नशीली सामग्री की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। विद्यार्थियों की शिकायतें गोपनीय रूप से प्राप्त करने के लिए शिक्षण संस्थानों में लेटर बॉक्स भी लगाए जाएंगे।

मर्द मदानी योजना से महिलाओं को सम्मान

आईजी ने बताया कि विभाग द्वारा ह्लमर्द मदानी योजनाह्व शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत उन महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने अपने परिवार के सदस्य को नशे की लत से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सामाजिक कुरीतियों पर जताई चिंता

उन्होंने शादी समारोहों में अफीम मनुहार जैसी परंपराओं पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में नशे पर होने वाला खर्च सामाजिक रूप से गलत संदेश देता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी सूचनाएं मिलने पर पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी।

नशीला दूध पिलाकर चोरी करने वाले गिरोह का हुआ पदार्फाश, चार आरोपी गिरफ्तार

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः वादिया द्वारा थाना उपस्थित आकर एक लिखित तहरीर बाबत वादिया के परिचित अभियुक्त हरदीप उर्फ दीपा पुत्र ओमप्रकाश निवासी नुमाइश कैम्प थाना कोतवाली नगर जनपद सहारनपुर द्वारा अपने साथ दूध व खाने की वस्तु लाकर वादिया को दूध मे नशीला पदार्थ पिलाकर वादिया के घर से जेवरात आदि चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना कुतुबशेर पर मु0अ0सं0 188/26 धारा 305/123 बीएनएस पंजीकृत किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लेते हुए घटना का अनावरण एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु आदेश-निर्देश दिये गये। निदेर्शों के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक श्री एच0एन0 सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कुतुबशेर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त के वांछित अभियुक्तगण 1.हरदीप उर्फ दीपा पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश निवासी न्यू गोपाल नगर थाना कोतवाली नगर जिला सहारनपुर 2.नीरज तनेजा पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम भरतपुर गुलवई रोड गदरपुर थाना गदरपुर जिला उधमसिंह नगर उत्तराखंड 3. चाँद उर्फ चंदू पुत्र युसूफ निवासी किदवई नगर 40 फूटा रोड खालापार थाना खालापार जिला मुजफ्फरनगर 4. गुलशन उर्फ मोनू पुत्र प्रेमनाथ वर्मा निवासी न्यू गोपाल नगर नुमाईस कैम्प थाना कोतवाली नगर जिला सहारनपुर को दबनी वाले कब्रिस्तान पर बने तालाब के किनारे के पास से गिरफ्तार किया गया । जिनके कब्जे से 02 डली (पीली धातू), 01 फर्जी नम्बर प्लेट न0 UP 11BV 3688, 01 चैन मय लोकेट (पीली धातु),05 मोबाईल फोन, 01 स्कूटी एक्टिवा फर्जी नम्बर प्लेट व 48000/-रुपए नकद बरामद हुए। अभियुक्तगण से बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा317(2)/317(5)/331(4)/3(5)/336(2)/338/340(2) बीएनएस की वृद्धि की गई । अभियुक्तों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता

1. हरदीप उर्फ दीपा पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश निवासी न्यू गोपाल नगर थाना कोतवाली नगर जिला सहारनपुर ।
2. नीरज तनेजा पुत्र अशोक कुमार नि0 ग्राम भरतपुर गुलवई रोड गदरपुर थाना गदरपुर उधमसिंह नगर उत्तराखंड ।
3. चाँद उर्फ चंदू पुत्र युसूफ निवासी किदवई नगर 40 फूटा रोड खालापार थाना खालापार जिला मुजफ्फरनगर ।
4. गुलशन उर्फ मोनू पुत्र प्रेमनाथ वर्मा निवासी न्यू गोपाल नगर नुमाईस कैम्प थाना कोतवाली नगर जिला सहारनपुर ।

बरामदगी का विवरण

48000/-रुपए एवं 02 डली (पीली धातू)

01 फर्जी नम्बर प्लेट न0 UP 11BV 3688

01 चैन मय लोकेट (पीली धातु)

05 मोबाईल फोन चिट बन्दी शुदा

01 स्कूटी एक्टिवा फर्जी नम्बर प्लेट वढ 11 इश 3688 सही रजि0न0 वढ 12 इअ 1738 (सम्बन्धित मु0अ0स0 347/2020 धारा 379 भादवि थाना नई मण्डी जिला मुजफ्फर नगर से सम्बन्धित)

अभियुक्त हरदीप उर्फ दीपा का अपराधिक इतिहासः-

1. मु0अ0स0 0227/2025 धारा 303(2) बीएनएस थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर
2. मु0अ0स0 188/2026 धारा 123/305 बीएनएस थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर
3. मु0अ0स0 01/2017 धारा 328, 406 भादवि थाना सदरबाजार जनपद सहारनपुर
4. मु0अ0स0 340/2019 धारा 13जी एक्ट थाना कोतवाली नगर जनपद सहारनपुर
5. मु0अ0स0 571/2019 धारा 328,454,380 भादवि थाना कोतवाली नगर जनपद यमुनानगर हरियाणा
6. मु0अ0स0 411/2019 धारा 328,454,380 भादवि थाना जगाधरी जनपद यमुनानगर हरियाणा
7. मु0अ0स0 65/2017 धारा 452, 328,392,411 भादवि थाना बहादराबाद हरिद्वार
8. मु0अ0स0 150/2017 धारा 380, 328,411 भादवि थाना ज्वालानगर हरिद्वार
9. मु0अ0स0 390/2016 धारा 380,328,411 भादवि थाना गंगनहर हरिद्वार
10. मु0अ0स0 128/2007 धारा 420, 406 भादवि थाना रामपुर जनपद रामपुर
11. मु0अ0स0 418/2019 धारा 380, 328 भादवि थाना रानीपुर हरिद्वार
12. मु0अ0स0 50/2004 धारा 4/25 आर्मस एक्ट थाना कोतवाली नगर सहारनपुर
13. मु0अ0स0 87/2005 धारा 294 भादवि थाना कोतवाली नगर सहारनपुर
14. मु0अ0स0 270/2010 धारा 18/20 एनडीपीएस थाना कोतवाली नगर सहारनपुर
15. मु0अ0स0 340/2019 धारा 13जी एक्ट थाना कोतवाली नगर सहारनपुर
16. मु0अ0स0 308/1999 धारा 380 भादवि थाना कोतवाली नगर सहारनपुर

अभियुक्त चाँद उर्फ चंदू का अपराधिक इतिहास

1. मु0अ0स0 334/2025 धारा 305(')/317(2)/331(4) बीएनएस थाना जनकपुरी जनपद सहारनपुर
2. मु0अ0स0 209/2023 धारा 380/411 भादवि थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर
3. मु0अ0स0 111/2023 धारा 380/411/414/454 भादवि कोतवाली नगर जनपद सहारनपुर
4. मु0अ0स0-729/2024 धारा 305(')/317(2)/318(4)/331(4)/336(2) बीएनएस थाना सदर बाजार, सहारनपुर
5. मु0अ0स0 730/2024 धारा 305(')/317(2)/331(4) बीएनएस थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर
6. मु0अ0स0 239/2023 धारा 380/454/506 भादवि थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर
7. मु0अ0स0 335/2025 धारा 3/25 आर्मस एक्ट थाना गागलहेडी जनपद सहारनपुर
8. मु0अ0स0 735/2024 धारा 3/25 आर्मस एक्ट थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का नामः-

1. प्रभारी निरीक्षक श्री एच0एन0 सिहं थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।
2. उ0नि0 श्री सुभाष चन्द्र थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।
3. उ0नि0 श्री भूपेश शर्मा थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।
4. म0उ0नि0 श्रीमति स्वेता शर्मा थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।
5. का0 1826 मोनू कुमार थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।
6. का0 1808 आशीष कुमार थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।
7. का0 2043 सद्दाम हुसैन थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ।

एक नजर

मज्जिनेन्द्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आगाज, 14 मई को निकलेगी भव्य रथयात्रा

शाहिहुरहमान/राजस्थानः उनियारा के ककोड़ में पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के जीर्णोद्धार के उपलक्ष्य में आयोजित त्रैदिवसीय मज्जिनेन्द्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का बुधवार को भक्तिपूर्ण आगाज हुआ, जहाँ बालाचार्य निपुणानन्दी जी महाराज के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से यागमंडल विधान में भाग लिया। प्रतिष्ठाचार्य पंडित सुरेश शास्त्री और अशोक शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुए इस विधान में 12 इंद्र-इंद्राणियों ने अर्घ्य समर्पित किए, जबकि दोपहर में मंचित नाटक 'नियम का फल' ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। सौधर्म इंद्र पारसमल-बसन्ती देवी, महाप्रस्थानक इंद्र गौरव-संजू देवी और कुबेर इंद्र प्रदीप-ममता जैन की उपस्थिति में आयोजित इस महोत्सव का समापन 14 मई को सुबह बिम्बों के अभिषेक व शांतिधारा और दोपहर बाद निकलने वाली भव्य रथयात्रा के साथ होगा जिसमे सात हाथी, पांच घोड़े आठ बघहीया और पांच बेंड होंगे।

युवक का शव मिलने पर बवाल, हत्या के आरोप में हंगामा, पथराव में 5 पुलिसकर्मी घायल

अभय/उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद अमृतपुर थाना क्षेत्र स्थित गांव चाचूपुर जटपुरा में शनिवार सुबह 25 वर्षीय ब्रजेश पुत्र बालकराम का शव गांव के तिराहे के पास पुलिया के नीचे तालाब में पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। अमृतपुर थाना क्षेत्र के गांव चाचूपुर जटपुरा में शनिवार को उस वक्त जबरदस्त हिंसा भड़क गई, जब एक लापता युवक का शव तालाब में मिला। हत्या का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और कार्रवाई की मांग को लेकर देसी शराब ठेके के सामने शव रखकर रास्ता जाम कर दिया। पुलिस ने जब भीड़ को हटाने का प्रयास किया तो ग्रामीण उग्र हो गए और पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में प्रभारी थानाध्यक्ष समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि आक्रोशित भीड़ ने थानाध्यक्ष की सरकारी गाड़ी को भी पलट दिया।

आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली का कहर, 18 लोगों की गई जान

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेशः मिजार्पुर जनपद मिजार्पुर में बुधवार को आए भीषण आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई। दैवीय आपदा की चपेट में आने से अब तक कुल 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे पूरे जिले में शोक और दहशत का माहौल है।प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर तहसील क्षेत्र में सबसे अधिक 10 लोगों की मौत हुई है। वहीं चुनार तहसील क्षेत्र में 6 तथा लालगंज तहसील क्षेत्र में 2 लोगों की जान गई है। आंधी-तूफान और बारिश के चलते कई क्षेत्रों में पेड़ और बिजली के पोल गिर गए, जिससे विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई। प्रशासन की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पुण्यतिथि पर सत्संग व समाज सेवा कार्यक्रम हुआ आयोजित

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी नाथड़ाऊ निवासी एएसआई गणेश लवां के पिता स्मृति शेष सुजाराम लवां की प्रथम पुण्यतिथि पर सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।? इस अवसर पर ओमप्रकाश आश्रम रूपाहेली धाम के महंत योग गुरू स्वयं प्रकाश महाराज, उत्तम आश्रम के पीठाधीश्वर सुखदेव प्रसाद महाराज एवं जोधपुर जिले के प्रबुद्धजन तथा मेघ ऋषि सेवा समिति चामू के अध्यक्ष सिमरथाराम पथिक, मोमताराम, रावलराम केतू, दाऊराम, राऊराम, मूलाराम सूम्बरा, गोवर्धनराम कड़ेला, मोमताराम भाटिया, पेपाराम लवां, शेराराम लवां, अभयराम लवां, देदाराम लवां, बाबूराम लवां, संत शेराराम लवां, गेनाराम ठेकेदार, आदूराम, तिलाराम लीलड़, जेठाराम सेजू, राणाराम सेजू, बाबूराम पंवार एवं दलाराम पंवार आदि उपस्थित रहे। यह सत्संग कार्यक्रम पूर्ण रूप से नशा मुक्त रहा। एएसआई गणेश लवां ने अपने पिता की प्रथम पुण्यतिथि पर सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए बालिका छात्रावास झालामंड चौराहा जोधपुर एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आरोग्य भवन एम्स हॉस्पिटल जोधपुर के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि टीम को भेंट की।

नाले में युवक का शव मिलने पर बवाल, ग्रामीणों का प्रदर्शन और पथराव में दो दरोगा घायल

मुकेश सिंह

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जनपद के राजेपुर थाना क्षेत्र स्थित चाचूपुर जटपुरा गांव में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक 25 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध हालत में नाले में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। मृतक की पहचान बृजेश राजपूत (25) के रूप में हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि युवक शराब पीने का आदी था, जबकि परिजनों ने उसकी मौत को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। गुस्साए लोगों ने शव को गांव के शराब ठेके के सामने रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और ठेका बंद कराने की मांग को लेकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम को हालात संभालने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसमें दो उपनिरीक्षक घायल हो गए। घायलों में नागेंद्र सिंह और कपिल कुशवाहा शामिल हैं। बताया जा रहा है कि नागेंद्र सिंह का हाल ही में राजेपुर थाने में तबादला हुआ था और उन्होंने अभी कार्यभार भी ग्रहण नहीं किया था।

दोनों घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों के अनुसार नागेंद्र सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है, जिस पर टांके लगाए गए हैं, जबकि कपिल कुशवाहा के सिर में भी चोट आई है। दोनों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद प्रशासन अलर्ट हो गया और अतिरिक्त पुलिस बल गांव में तैनात किया गया। काफी देर बाद हालात को नियंत्रित किया जा सका। पुलिस युवक की मौत के कारणों और पथराव में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ।

पुलिस का बड़ा एक्शन, मुठभेड़ में दो शातिर वाहन चोर हुए गिरफ्तार

अनिल

हरियाणाः मुजफ्फरनगर।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के मार्ग निर्देशन में नई मंडी थाना प्रभारी निरीक्षक जबरदस्त कार्य शैली का लोहा मनवा रहे हैं। मात्र कुछ दिनों में ही कई मुठभेड़ में अपराधियों को पीतल चखाया तथा घटनाओं को खोल कर रखा हुआ है लेकिन वही अपराध एवं अपराधी हथियार उठाएं अपना इकबाल बुलंद करने की फिराक में रहते हैं लेकिन उन्हें यह मालूम है कि नहीं मंडी थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा की गोली से वह बच नहीं सकते।

आनंद देव मिश्रा व उनकी टीम लगातार बदमाशों के हर प्रयत्न को विफल कर रही है ओर आज भी कप्तान संजय कुमार वर्मा के मार्ग निर्देशन में नई मंडी थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा के नेतृत्व में वरिष्ठ उप निरीक्षक गजेंद्र सिंह, उप निरीक्षक आयुष त्यागी,उप निरीक्षक शुभम चौहान,उप निरीक्षक संदीप सिंह व उनकी टीम ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 02 शातिर वाहन चोर अभियुक्तों को घायल अवस्था में किया गिरफ्तार, मोटरसाइकिल चोरी के 01 अभियोग का सफल अनावरण भी किया व घायल गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 अवैध तमंचे मय 02 जिन्दा व 02 खोखा कारतूस 315 बोर व चोरी की गयी 06 मोटरसाइकिल आदि भी बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

अपर पुलिस महानिदेशक महोदय, मेरठ जोन मेरठ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, क्षेत्राधिकारी नई मण्डी राजू कुमार साव तथा प्र0नि0 नई मण्डी आनन्द देव मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना नई मण्डी पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही। घटना का संक्षिप्त विवरण-आज थाना नई मण्डी पुलिस टीम द्वारा टिकैत चौक के पास संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की सघन चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि 02 शातिर वाहन चोर अभियुक्त, जिन्होंने जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों से कई मोटरसाइकिलें चोरी की हैं, एनएच-58 स्थित कूकड़ी ग्राउण्ड में बने खण्डहर में चोरी के वाहन छिपाकर रखे हुए हैं तथा आज उन्हें बेचने के लिए कहीं ले जाने की फिराक में हैं। प्राप्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना नई मण्डी पुलिस टीम मुखबिर द्वारा बताए गए। स्थान कूकड़ी ग्राउण्ड पर पहुंची तथा घेराबंदी कर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया गया।

स्वयं को पुलिस से घिरा देख बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग शुरू कर दी गयी, जिसमें पुलिस टीम बाल-बाल बच गयी। पुलिस टीम द्वारा बदमाशों को आत्मसमर्पण करने हेतु कई बार चेतावनी दी गयी, किन्तु बदमाश लगातार रुक-रुक कर पुलिस टीम पर फायरिंग करते रहे। जिसके उपरान्त पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी सूक्ष्म जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाश घायल हो गये। पुलिस टीम द्वारा दोनो बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। घायल हुए गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 अवैध तमंचे मय 02 जिन्दा व 02 खोखा कारतूस 315 बोर व चोरी की गयी 06 मोटरसाइकिल बरामद की गयी। पुलिस द्वारा घायल अभियुक्तों को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है। थाना नई मण्डी पुलिस द्वारा अभियुक्तगण की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।घायल गिरफ्तार अभियुक्तगण के नाम मुराद अली पुत्र जाहीद हसन निवासी ग्राम सुल्तानपुर थाना लकशर जनपद हरिद्वार उत्तराखण्ड व मोनू पुत्र जसवीर निवासी ग्राम मिर्जा टिल्ला थाना सिखेडा, मुजफ्फरनगर है।

नहीं मंडी पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 02 अवैध तमंचे मय 02 जिन्दा व 02 खोखा कारतूस 315 बोर व 01 बुलेट मोटरसाइकिल (थाना नई मण्डी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 236/2026 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित) व 02 स्पलैण्डर मोटरसाइकिल व 01 एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल व 01 एवेनजर मोटरसाइकिल व 01 टीवीएस मोपेड भी बरामद की है।पूछताछ का विवरण- पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि वे लोग भीड़भाड़ वाले स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे तथा चोरी किए गए वाहनों को एनएच-58 स्थित एक खण्डहर में छिपाकर इकट्ठा करते थे। अभियुक्तगण आज उक्त चोरी की मोटरसाइकिलों को बेचने के लिए जा रहे थे, तभी पुलिस टीम द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तारकर्ता पुलिस टीम में प्र0नि0 आनन्द देव मिश्रा,व0उ0नि0 गजेन्द्र सिंह, उ0नि0 आयुष त्यागी,उ0नि0 शुभम चौहान,उ0नि0 सन्दीप सिंह, का0 अभिषेक नागर,का0 सुभाष सागर,का0 दिनेश बाना,का0 1489 मुनेश कुमार,का0 667 रोहित कुमार आदिल शामिल रहे।

समाधान शिविर में एडीसी ने सुनी जन समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

राममेहर

हरियाणाः हांसी स्थानीय जिला सचिवालय परिसर में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें एडीसी लक्षित सरीन ने जन समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में एसडीएम राजेश खोथ, तहसीलदार डॉ अनिल कुमार बिढान तथा अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एडीसी ने जमावड़ी गांव की सरपंच सुदेश देवी द्वारा प्रस्तुत शिकायत पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह कुम्भा से जमावड़ी गांव तक ड्रेन के किनारो को मिट्टी इत्यादि से ऊंचा कर मजबूत करें और बिजली खंभों , ट्रांसफार्मरों तथा मोटर इत्यादि की व्यवस्था का निरीक्षण करें ताकि बरसाती सीजन में जल निकासी निर्बाध तरीके से हो सके। उन्होंने कहा कि बरसाती पानी निकासी की व्यवस्था को लेकर जो टेंडर किया गया है उसके तहत होने वाले कार्यों को भी तेजी से पूरा करवाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बरसात के दौरान जिला में कोई भी ड्रेन कहीं से भी नहीं टूटनी चाहिए। सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण करें। जमावड़ी गांव के सरपंच की ओर से गांव में किसी भी बैंक की एक शाखा खोलने की भी मांग की गई। इस पर संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय भिजवाने के निर्देश दिए गए।

एसडीम राजेश खोथ ने प्रेम नगर गांव निवासी द्वारा प्रस्तुत एक शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए भवन एवं सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह वन विभाग कार्यालय के सामने सड़क पर ब्रेकर बनवाना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी प्रकार की कोई वाहन दुर्घटना नहीं हो, क्योंकि रेलवे पुल के पास से मुख्य सड़क पर वहां अचानक वाहन प्रवेश कर जाते हैं। उन्होंने नगर परिषद तथा विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को प्रेम नगर गांव के निकट रेलवे पुल के आसपास लाइटों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि नगर परिषद तथा विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में लाइटों की व्यवस्था करें ताकि रहे नागरिकों को इसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

शहीद लाल हुकम चंद जैन पार्क के रखरखाव तथा कर्मचारियों सफाई इत्यादि को लेकर प्रस्तुत शिकायत पर एसडीएम ने नगर परिषद के अधिकारियों को मौका मुआयना कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इनके अलावा समाधान शिविर में बुढ़ापा पेंशन बनवाने, विधवा पेंशन बनवाने, परिवार पहचान पत्र में इनकम कम करवाने सहित अन्य समस्याएं प्रस्तुत की गई। प्रस्तुत सभी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को तुरंत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीएसपी रविंद्र कुमार, बीडीपीओ अशोक कुमार, एसएमओ डॉ राहुल बुद्धिराजा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या हल हो जायेगी?

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट हर वर्ष लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में यदि परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक या धांधली की आशंका सामने आती है, तो छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश स्वाभाविक है। इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या इस पर केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे सिस्टम के नकारा लोगों पर हंटर चलायेगी जिससे इस लीक माफिया पर ऐसा करना भूल जायें।

पहली दृष्टि में पुनर्परीक्षा एक न्यायसंगत कदम प्रतीत होता है। जिन छात्रों ने ईमानदारी से मेहनत की और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया, उनके लिए दोबारा परीक्षा एक अवसर बन सकती है। इससे यह संदेश भी जाएगा कि सरकार और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्षता के प्रति गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लेकिन समस्या केवल पुनर्परीक्षा तक सीमित नहीं है। यदि व्यवस्था की खामियां जस की तस बनी रहती हैं, तो दोबारा परीक्षा भी नए विवादों को जन्म दे सकती है। लाखों छात्रों पर मानसिक दबाव, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तैयारी की अनिश्चितता का प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी पहले ही अत्यधिक तनाव में रहते हैं; पुनर्परीक्षा उनकी मानसिक स्थिति को और कठिन बना सकती है।

असल प्रश्न यह है कि बार-बार परीक्षा कराने की नौबत क्यों आती है? जब तक परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल पुनर्परीक्षा स्थायी समाधान नहीं बन सकती। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीक, सख्त निगरानी और पारदर्शी जांच व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही, दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। यदि पेपर लीक या भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलता रहेगा, तो छात्रों का विश्वास लगातार कमजोर होगा। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

पेपर लीक - हर शाख पर उल्लू बैठे हैं अंजाम गुलिस्ताँ क्या होगा?

मनोज कुमार अग्रवाल

2026 नीट यूजी परीक्षा रद्द होने की खबर ने केवल लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को सकते में डाल दिया है,न सिर्फ एक अविश्वास और संदेह के माहौल को जन्म दिया है और देश की तमाम प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। यह मामला सिर्फ एक प्रश्नपत्र के लीक होने का नहीं है, बल्कि उन सपनों के टूटने का है, जिनके सहारे देश के लाखों युवा और उनके परिवार वर्षों तक तक संघर्ष संघर्ष करते करते हैं।। हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने की चाह में विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करते हैं, परिवार अपनी जमा-पूंजी खर्च करते हैं, माता-पिता अपनी इच्छाएं दबाकर बच्चों की तैयारी में सहयोग करते हैं। ऐसे में जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा प्रणाली का नहीं, बल्कि भरोसे का होता है। देश में प्रतियोगी परीक्षाएं लंबे समय से मेहनत, योग्यता और निष्पक्षता का प्रतीक मानी जाती रही हैं। खासकर नीट जैसी परीक्षा, जिसमें लाखों छात्र शामिल होते हैं, केवल प्रवेश परीक्षा नहीं होती, बल्कि भविष्य तय करने वाला एक महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। इसलिए जब ऐसी परीक्षा पर प्रश्नचिह्न लगता है, तो उसका असर केवल परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रहता। इसका असर घरों, कोचिंग संस्थानों, छोटे शहरों, गांवों और उन परिवारों तक पहुंचता है, जिन्होंने अपने बच्चों को डॉक्टर बनते देखने का सपना देखा होता है। नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने बड़े स्तर की परीक्षा व्यवस्था में सेंध कैसे लगी। परीक्षा की तैयारी से लेकर प्रश्नपत्र निर्माण, छपाई, परिवहन, भंडारण और वितरण तक कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था होती है। इसके बावजूद यदि पेपर बाहर पहुंच जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि कहीं न कहीं सिस्टम में गंभीर कमजोरी है। यह कमजोरी केवल तकनीकी नहीं हो सकती, बल्कि प्रशासनिक, मानवीय और नैतिक स्तर पर भी हो सकती है। पेपर लीक का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अब आकस्मिक अपराध नहीं रहा, बल्कि संगठित अवैध कारोबार का रूप लेता जा रहा है। इस पूरी व्यवस्था में ऊपर बैठे मास्टरमाइंड से लेकर स्थानीय एजेंटों तक एक लंबी श्रृंखला काम करती है। कोई प्रश्नपत्र तक पहुंच बनाता है, कोई उसे क्षेत्रीय स्तर पर बेचता है, कोई छात्रों और अभिभावकों से संपर्क करता है, तो कोई सॉल्वर या जवाब तैयार करने वालों की व्यवस्था करता है। यह पूरी प्रक्रिया बताती है कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी अपराधी मानसिकता ने एक समानांतर बाजार बना लिया है। इस तथाकथित लीक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार छात्रों की मजबूरी और परिवारों की चिंता है। इससे पहले भी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट 2021ःएग्जाम के दौरान एग्जाम शुरू होने से करीब आधे घंटे पहले सोशल मीडिया पर नीट 2021 का क्वेश्चन पेपर वायरल होता मिला. पुलिस ने इस मामले में एक 18 साल के कैंडिडेट, एग्जाम सेंटर के एडमिनिस्ट्रेशन यूनिट के इंचार्ज और चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया.5 मई, 2024 को हुई नीट एग्जाम के बाद पेपर लीक, ऑर्गनाइज्ड चीटिंग और गड़बड़ियों के आरोप सामने आने के बाद 2024 में यह विवाद शुरू हुआ. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 7 सालों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से ज्यादा एग्जाम पेपर लीक हुए हैं, जिससे 1.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं के करियर पर असर पड़ा है.

आपको बता दें मेडिकल सीटों की संख्या सीमित है, प्रतियोगिता बहुत कठिन है और सफल होने का दबाव बेहद अधिक है। इसी दबाव का लाभ उठाकर लाल और गिरोह छात्रों के भविष्य को बेचने का धंधा करते हैं। कुछ लोग लाखों रुपये देकर अनुचित लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में लाखों ईमानदार छात्रों के अधिकारों पर चोट पहुंचती है। जो छात्र रातों की नींद छोड़कर पढ़ते हैं, जो परिवार कर्ज लेकर कोचिंग की फीस भरते हैं, वे इस भ्रष्ट तंत्र के सबसे बड़े पीड़ित बन जाते हैं। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम 2024 जैसा सख्त कानून लागू किया है। इस कानून में पेपर लीक, ओएमआर शीट में छेड़छाड़, साइबर हैकिंग, संगठित अपराध और परीक्षा एजेंसियों की मिलीभगत जैसे मामलों पर कठोर सजा का प्रावधान कटार प्रावधान है। जेल, भारी जुमार्ना, संपत्ति जब्ती और परीक्षा कराने वाली एजेंसियों पर रोक जैसे प्रावधान निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। लेकिन केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून का डर तभी पैदा होगा, जब जांच तेन, निष्पक्ष और परिणाम तक पहुंचने वाली हो। पेपर लीक मामलों में अक्सर देखा गया है कि शुरूआती कार्रवाई तो तेज होती है, कुछ गिरफ्तारियां भी होती हैं, लेकिन समय बीतने के साथ मामला धीमा पड़ जाता है। छोटे एजेंट पकड़ में आते हैं, लेकिन बड़े चेहरे बच निकलते हैं। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, भी ऐसा हुआ, तो छात्रों का भरोसा और कमजोर होगा। जरूरत इस बात की है कि जांच केवल पेपर बेचने वाले दलालों तक सीमित न रहे, बल्कि यह पता लगाया जाए कि प्रश्नपत्र तक पहली पहुंच किसे मिली, सुरक्षा घेरा कहां टूटा, किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई और किसने कितनी कमाई की।

पिंजरे का तोता और रबर स्टैंप, सीबीआई को लेकर कई सवाल

टी एन अशोक

> जैसे-जैसे ईरान में युद्ध गहराता जा रहा है और आग की लपटें पश्चिम एशिया के ऊर्जा गलियारों में फैल रही हैं, भारत खुद को एक असहज सच्चाई का सामना करते हुए पा रहा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, बाधित शिपिंग लेन, विमानन ईंधन की बढ़ती लागत, उर्वरक आयात पर आशंका और घबराए बाजारों ने नरेंद्र मोदी सरकार को संकट-प्रबंधन के मोड़ में धकेल दिया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सेंसेक्स लुढ़क गया और रुपया अपने सबसे निचले स्तर 95.31 रुपये पर पहुंच गया, जिससे आयात लागत बढ़ गई और पिछले कुछ वर्षों में सावधानीपूर्वक जमा की गई विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ गया।

राजनीतिक रोष के पीछे एक बड़ी रणनीतिक बहस है कि क्या भारत ऐसे क्षण के लिए पर्याप्त रूप से तैयार था? वर्षों से, नई दिल्ली ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इज?ाइल, ईरान और खाड़ी राजशाही के बीच नाजुक संबंधों को संतुलित किया है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रियायती रूसी कच्चे तेल तक पहुंच बनाए रखने में कामयाब रहा और साथ ही वाशिंगटन के साथ रणनीतिक संबंधों को गहरा किया।

जैसे-जैसे ईरान में युद्ध गहराता जा रहा है और आग की लपटें पश्चिम एशिया के ऊर्जा गलियारों में फैल रही हैं, भारत खुद को एक असहज सच्चाई का सामना करते हुए पा रहा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, बाधित शिपिंग लेन, विमानन ईंधन की बढ़ती लागत, उर्वरक आयात पर आशंका और घबराए बाजारों ने नरेंद्र मोदी सरकार को संकट-प्रबंधन के मोड़ में धकेल दिया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सेंसेक्स लुढ़क गया और रुपया अपने सबसे निचले स्तर 95.31 रुपये पर पहुंच गया, जिससे आयात लागत बढ़ गई और पिछले कुछ वर्षों में सावधानीपूर्वक जमा की गई विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ गया।

लेकिन जिसने भू-राजनीतिक झटके को राजनीतिक तूफान में बदल दिया, वह केवल युद्ध नहीं था- यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असाधारण सार्वजनिक अपील थी, जिसमें भारतीयों से स्वेच्छा से तपस्या अपनाने के लिए कहा गया था।

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से एक वर्ष के लिए विदेश यात्रा से बचने, ईंधन की खपत कम करने, सोना खरीदना बंद करने, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करने, खाना पकाने के तेल का कम उपयोग करने और यहां तक कि घर से काम करने के सिलसिले को पुनर्जीवित करने का आग्रह किया, जो कि कोविड लॉकडाउन के वर्षों की याद दिलाती है। संदेश का उद्देश्य देश को वैश्विक ऊर्जा बाजारों में लंबे समय तक अस्थिरता के लिए तैयार करना था।

आलोचकों को यह भाषण युद्धकालीन नेतृत्व की तरह कम और यह स्वीकारोक्ति अधिक लग रहा था कि सरकार ने आर्थिक नतीजों पर नियंत्रण खो दिया है।

राजनीतिक हमले ने घबराहट पैदा कर दी क्योंकि भारत की कमजोरियां मोदी की अपील से बहुत पहले ही दिखाई दे रही थीं। ब्रेंटक्रूड मनोवैज्ञानिक रूप से खतरनाक 100 डॉलर प्रति बैरल के आंकड़े को पार कर गया है। कथित तौर पर क्षेत्रीय समुद्री मार्गों पर 20 से अधिक वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया है। बढ़ते समुद्री खतरों के बीच लगभग 1,900 जहाज फंसे हुए हैं। विमानन टरबाइन ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं। एयरलाइंस किराया बढ़ा रहा है। उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला तनाव में है। शिपिंग के लिए बीमा लागत में तेजी से उछाल आया है। सरकार का कहना है कि तत्काल कोई आपात स्थिति नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि भारत के पास लगभग 60 दिनों के लिए पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है, जो रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मिलाकर लगभग 74 दिनों तक बढ़ सकता है। फिर भी यह तथ्य कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से कोविड-युग के प्रतिबंधों की याद दिलाई, ने व्यवसायों और उपभोक्ताओं को समान रूप से चिंतित कर दिया।

विपक्षी दलों ने सरकार की मितव्ययिता की अपील को इस बात का सबूत बताया कि प्रसिद्ध 'पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाइ की कहानी भू-राजनीतिक वास्तविकता से टकरा गई है। 'अगर इतने सारे प्रतिबंध लगाने होंगे, तो पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था कैसे बनेगी?इ यादव ने पूछा।

विरोधाभास स्पष्ट था। वर्षों तक, मोदी सरकार ने भारत को निर्णायक नेतृत्व और रणनीतिक कूटनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय झटकों से सुरक्षित एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में पेश किया। फिर भी ईरान संघर्ष ने यह उजागर कर दिया है कि भारत की विकास गाथा किस हद तक आयातित ऊर्जा और बाहरी अस्थिरता की बंधक बनी हुई है। आलोचकों ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उन्होंने सरकार के संदेश को मूल में गहरा पाखंड कहा है।

राजनीतिक रोष के पीछे एक बड़ी रणनीतिक बहस है कि क्या भारत ऐसे क्षण के लिए पर्याप्त रूप से तैयार था?

वर्षों से, नई दिल्ली ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इज?ाइल, ईरान और खाड़ी राजशाही के बीच नाजुक संबंधों को संतुलित किया है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रियायती रूसी कच्चे तेल तक पहुंच बनाए रखने में कामयाब रहा और साथ ही वाशिंगटन के साथ रणनीतिक संबंधों को गहरा किया। लेकिन ईरान संघर्ष से उस संतुलन कार्य के अस्थिर होने का खतरा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग व्यवधान - जिसके माध्यम से वैश्विक तेल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है - शायद सबसे गंभीर जोखिम पेश करता है। भले ही भारत कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित कर ले, परिवहन लागत और बीमा प्रीमियम आयात बिल को तेजी से बढ़ा सकते हैं। कमजोर रुपये से दबाव और बढ़ गया है।

पहले से ही, अर्थशास्त्रियों को डर है कि तेल की कीमतें 100 डॉलर से ऊपर बने रहने से मुद्रास्फीति फिर से बढ़ सकती है, क्योंकि भारत महामारी के बाद की रिकवरी को मजबूत करने का प्रयास कर रहा था। उच्च परिवहन और उर्वरक लागत से खाद्य पदार्थों की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइंस ने उपभोक्ताओं पर ईंधन अधिभार डालना शुरू कर दिया है। आयातित रसायनों और ऊर्जा इनपुट पर निर्भर विनिर्माण क्षेत्र झटके का सामना कर रहे हैं। कई मायनों में, सरकार की अपील इस बढ़ती मान्यता को दर्शाती है कि संकट बढ़ने पर मांग दमन आवश्यक हो सकता है।

लेकिन राजनीतिक रूप से, संदेश खतरनाक साबित हुआ है क्योंकि यह प्रचुरता और लचीलेपन की एक दशक पुरानी कहानी को उलट देता है। मोदी दक्षता, आर्थिक आत्मविश्वास और मजबूत शासन का वादा करके सत्ता तक पहुंचे। नागरिकों से सोना खरीदने से बचने के लिए कहना - भारतीय घरों में गहरी जड़ें जमा चुकी वित्तीय और सांस्कृतिक संपत्ति- संरक्षण से कहीं बड़ी चीज का प्रतीक है। यह चिंता का संकेत था। फिर ऐसे देश में चिंता तेजी से फैलती है जहां मुद्रास्फीति भावनात्मक और राजनीतिक रूप से विस्फोटक बनी हुई है।

सरकार ने दृश्यमान उच्च-स्तरीय सहभागिता के माध्यम से नागरिकों को आश्वस्त करने का प्रयास किया है। मोदी ने सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बार-बार बैठकों की अध्यक्षता की। मंत्रालयों ने तेल, उर्वरक, रसद और कृषि क्षेत्रों में आकस्मिक योजना का समन्वय किया है। ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को पड़ोसी देशों के माध्यम से निकाला गया है। अधिकारी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि आवश्यक आपूर्ति सुरक्षित रहे।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्ल का अहंकार ह्यहमह्ल की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्लअहिंसा की प्रयोगशालाह्व बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

मॉडर्न जमाने में ऊंचा रुतबा पाना है अपराध का कारण

संजय गोस्वामी

आज का समाज भौतिकवादी दौड़ में शामिल होकर मॉडर्न बनना चाहता है और इस मॉडर्न जमाने में ऊंचा रुतबा पाना चाहता है। इसके लिए पैसे की जरूरत होती है। इस जमाने में, कोई भी इंसान ईमानदारी से दो वक्त की रोटी कमाए बिना इज्जत की ज़िंदगी नहीं जी सकता। इसलिए, ऊंचा रुतबा पाने के लिए लोग दूसरे गैर-कानूनी धंधे करने लगते हैं और ज्यादा पैसे कमाने की चाहत क्राइम को जन्म देती है। साफ है कि क्राइम से इंसान का सामाजिक और आर्थिक नुकसान होता है। क्राइम से उसका परिवार और समाज टूटता है। आर्थिक गिरावट आती है। उसका कल्चरल और नैतिक पतन होता है। इसलिए, क्राइम के खिलाफ आवाज उठाना और अपराधियों को सुधारने की कोशिश करना जरूरी है।यह निर्विवाद सर्व स्वीकार्य तथ्य है कि अपराध से कानून की अवहेलना और अपराधों में वृद्धि होती है। आज जो अपराध है वह कल परिवर्तित सामाजिक परिस्थिति में अपराध नहीं रह सकता है और जो आज अपराध नहीं है वह कल अपराध के स्वरूप का मानक बन सकता है। अपराध को परिभाषित करने के सम्बन्ध में दो विचार धारायें हैं, एक को शास्त्रीय, सनातन तथा मिश्रयवादी और द्वितीय को नवउन्मेषकारी, सांदर्भिक तथा परिमार्जनवादी कहना संगत होगा। प्रथम कानून की सीमाओं में ही संकुचित रहती है, दूसरी सामाजिक जीवन के व्यापक परिवेश में विचरण निन्दनीय अथवा अनौचित्यपूर्ण क्यों न हो, अपराध तब तक नहीं माना जाता जब तक कि उसे आपराधिक कानून के द्वारा निषिद्ध नहीं घोषित किया गया है। डोनाल्ड आर. टैफ्ट के शब्दों में, ह्यह्यवैधानिक रूप से अपराध एक ऐसी क्रिया है जो कानूनतः दण्डनीय है।ह्लह्ल गिलिन एवं गिलिन के अनुसार कानूनी दृष्टिकोण से अपराध किसी देश के कानून के विरुद्ध कार्य है। इस प्रकार उपर्युक्त सभी परिभाषाओं का विश्लेषण किया जाय तो निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि अपराध जानबूझकर किया गया व्यवहार है। आपराधिक परिवारों के पुरुष एवं महिलाओं का विभिन्न प्रकार के करती हो प्रथम को परम्परागत तथा द्वितीय को आधुनिकतम अपराधों में संलिप्तता का क्या उद्देश्य रहा है, जब इन कहना भी प्रथम की मयार्दा एवं उपयुक्तता का हनन किये बिना समीचीन होगा। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपराध कानून का उल्लंघन है। यह वह व्यवहार है जिसे आपराधिक संहिता में निषिद्ध तथा दण्डनीय घोषित किया गया है। विवेचनागत अध्ययन की सुगमता हेतु अपराध की अन्य वैज्ञानिक परिभाषाएँ जो आपराधिक परिवारों से प्राप्त आँकड़ों की मदद से निष्कर्ष निकाला गया तो ५३.०१ प्रतिशत अपराधियों ने अपराध करने की सहमति स्वीकार किया एवम् ४६.९९ प्रतिशत का कहना है कि पुलिस ने अनावश्यक रूप से वैसे ही झूठे, फर्जी केस दर्ज करके अपनी कार्यवाही पूरी की। १. अक्सर गरीबी रेखा के नीचे के परिवार कहीं न कहीं न कहीं, वे किसी न किसी रूप में अपराध में शामिल हो जाते हैं, जैसा कि लगभग 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना। 2. कुछ मामलों में, पुरुष और महिलाएं, विशेष रूप से पुरुष, इन परिवारों से आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर होते हैं, और पुलिस इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और अपने आधिकारिक कर्तव्यों को पूरा करती है। 3. आपराधिक परिवारों के पुरुष अक्सर शराब पीते हैं, और इसके प्रभाव में, वे सही और गलत की अपनी समझ खो देते हैं, अपराध की ओर प्रेरित होते हैं, और अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं। वे यह समझ नहीं पाते कि वे क्या कर रहे हैं या यह सही है या गलत, और वे अपराधों में शामिल हो जाते हैं। 4. उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। अपराध एक सार्वभौमिक घटना है जो सीधे मानव व्यवहार से संबंधित है। इस मानव व्यवहार के क्या कारण हैं? दूसरे शब्दों में, अपराध के कारण क्या हैं? वर्ट अपराध के कारणों की एक लंबी सूची प्रस्तुत करता है, जो वास्तव में पूरी तरह से सटीक है। अधूरे मनोरंजन के साधन, दोषपूर्ण ग्रंथियाँ, शारीरिक हीनता, भावनात्मक असंतुलन, अस्थायी पागलपन, शिक्षा का अभाव, व्यक्तिवादी अराजकता, सामाजिक अपूर्णता, अवैध धन अर्जन, मद्यपान आदि। अपराधों में संलिप्तता के सिद्धांत एवं कारण- साधारणतया कुछ परिस्थितियाँ एवं कुछ कारण आपराधिक प्रवृत्तियों के जागृत होने, प्रोत्साहन एवं अपराधों में संलिप्तता के लिए अवश्य ही उत्तरदायी होते हैं। 1. साधारणतया अपराध का संबंध मानव व्यवहार से होता है। अपराधों में संलिप्त होने से उनके परिवार के सदस्य दुःखी होते हैं, परंतु अपराध में समस्त मानवीय व्यवहार दुःखी होते हैं। अपराध सदैव विनाशकारी होता है, वह समाज के दायरे में नहीं आता, चाहे वह किसी भी कारण से किया गया हो। स्पष्ट है कि अपराध की बढ़ती हुई बुरी प्रवृत्ति व्यक्ति, समुदाय एवं समाज के लिए हानिकारक है। विभिन्न विद्वानों ने अपराधियों को विभिन्न आधारों पर वगीर्कृत किया है, जैसे लोम्ब्रोसो ने जन्मजात अपराधी, पागल अपराधी, कामुक अपराधी एवं आकस्मिक अपराधी। गैरिफालो ने भी अपराधियों को चार श्रेणियों में वगीर्कृत किया हैः सनकी अपराधी, हिंसक अपराधी, दया एवं ईमानदारी से रहित अपराधी एवं लम्पट अपराधी। सदरलैंड ने अपराधियों को साधारण निम्नवर्गीय अपराधी एवं सफेदपोश अपराधी में वगीर्कृत किया है। इसी प्रकार विभिन्न विद्वानों ने अपराधियों को अलग-अलग श्रेणियों में वगीर्कृत किया है। अपराधी परिवारों के पुरुष और महिलाएं मानवीय व्यवहार को ही अपराध मानते हैं, क्योंकि सामान्य व्यवहार पैटर्न के विरुद्ध किया गया कोई भी कार्य अपराध है। 2. इरादे और व्यवहार के बीच संबंध है, लेकिन अपराध होने के लिए यह आवश्यक है कि आपराधिक इरादे एक साथ बाहरी रूप से व्यक्त हों। 3. अपराध व्यक्तिगत विघटन का कारण बनता है। इस संदर्भ में अपराध विज्ञानी ओटो रांके का कहना है कि विघटित व्यक्तित्व अपराध का कारण है। प्रो. मार्क्स और एंगेल्स का कहना है कि परिस्थितियां अपराध के लिए जमीन तैयार करती हैं और अपराध आर्थिक स्थितियों की उपज है और आर्थिक स्थितियां समाज की उपज हैं। इसलिए अपराध को भी समाज के उत्पाद के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

अपराध का मुख्य कारण पर्यावरण है। इसमें पैसे की कमी शामिल है। व्यापार बुरी तरह प्रभावित होता है। उजड़े हुए घर, गंदी बस्तियां, बुरी संगत, अस्वस्थ मनोरंजन, गरीबी, पारिवारिक माहौल, अशांत उपसंस्कृतियां, झुग्गी-झोपड़ियां, छात्रावास और कॉलेज की संस्कृति, जुनून आदि और साथी समूहों की भूमिका आदि से आश्रित प्रभावित होते हैं और समाज प्रभावित होता है। अपराध के अन्य कारणः 1. अज्ञानता - कुछ लोगों में गलत धारणा है कि वे सब जानते हैं कि अपराध एक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक और मानसिक बुराई है जो हत्या, मकानों की बिक्री और दिवालियापन का कारण बनती है।

भावुक स्टेटस के अगले दिन पिता ने बेटे-बेटी संग कुएं में लगाई छलांग, तीनों की हुई मौत

अशोक महूले

मध्य प्रदेशः कटंगी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जराहमोहगांव के लाखीटोला में बुधवार को हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। इस हृदयविदारक घटना में पिता सहित दोनों बच्चों की मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में मातम छा गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक श्याम नागेन्द्र पिता भागवत नागेन्द्र उम्र लगभग 40 वर्ष, जाति झारिया निवासी लाखीटोला जराहमोहगांव ने अपने पुत्र वंश नागेन्द्र उम्र 5 वर्ष तथा पुत्री कु. भूरि नागेन्द्र उम्र 3 वर्ष के साथ गांव के एक कुएं में छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह ग्रामीणों ने कुएं में शव तैरते देखे, जिसके बाद तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। मासूम बच्चों के शव देखकर ग्रामीण भावुक हो उठे। गांव की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल रहा। इस दर्दनाक घटना के बाद अब एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। ग्रामीणों और मृतक के परिचितों के अनुसार श्याम नागेन्द्र ने घटना के एक दिन पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक भावुक स्टेटस लगाया था। बताया जा रहा है कि स्टेटस में उसने जीवन से निराशा और दर्द भरे शब्द लिखे थे। हालांकि पुलिस द्वारा आधिकारिक रूप से स्टेटस की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन गांव में इसकी चर्चा जोरों पर है। ग्रामीणों का कहना है कि स्टेटस देखने के बाद अब लोगों को लग रहा है कि मृतक लंबे समय से किसी मानसिक तनाव या पारिवारिक परेशानी से जूझ रहा था। कई लोगों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से वह काफी शांत और चिंतित दिखाई देता था। हालांकि उसने अपनी परेशानी खुलकर किसी को नहीं बताई।

गांव में छाया मातम, हर आंख से शोक में निकली आंसुओं कि धारा

घटना के बाद पूरे लाखीटोला और जराहमोहगांव में शोक का माहौल बना हुआ है। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव स्तब्ध है। जिन बच्चों की किलकारियां कुछ दिन पहले तक गांव में गूंजती थीं, उनकी मौत ने हर किसी को भीतर तक तोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस तरह की दर्दनाक घटना पहले कभी नहीं देखी।

मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के बुजुर्गों ने बताया कि श्याम नागेन्द्र मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह सामान्य स्वभाव का व्यक्ति माना जाता था, लेकिन पिछले कुछ समय से वह परेशान रहने लगा था।

पुलिस ने शुरू की जांच

कटंगी पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के पीछे पारिवारिक विवाद, आर्थिक परेशानी या मानसिक तनाव में से कौन-सा कारण जिम्मेदार रहा।

पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों के बयान दर्ज कर रही है। वहीं मृतक के मोबाइल और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच की जा सकती है।

ग्रामीणों ने जताया दुख

घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। लोगों ने कहा कि यदि समय रहते उसकी परेशानी सामने आ जाती तो शायद यह बड़ा हादसा टल सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग भी की है। गांव के युवाओं ने कहा कि आज के समय में मानसिक तनाव और पारिवारिक दबाव तेजी से बढ़ रहे हैं। कई लोग अपनी परेशानियों को भीतर ही भीतर सहते रहते हैं और अंत में ऐसा खौफनाक कदम उठा लेते हैं। लोगों ने समाज से अपील की कि किसी भी व्यक्ति के व्यवहार में बदलाव दिखाई दे तो उसे नजरअंदाज न किया जाए और समय रहते उसकी मदद की जाए।

क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी घटना

जराहमोहगांव की यह घटना अब पूरे कटंगी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर भी लोग इस घटना को लेकर दुख व्यक्त कर रहे हैं। मासूम बच्चों की मौत ने लोगों को सबसे ज्यादा झकझोर दिया है। हर कोई यही कह रहा है कि आखिर उन मासूम बच्चों की क्या गलती थी, जिन्हें इस दुनिया को ठीक से देखने का मौका भी नहीं मिला।

इस दर्दनाक घटना ने पूरे समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है। मानसिक तनाव, पारिवारिक समस्याएं और अकेलापन आज समाज की बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि लोग एक-दूसरे की भावनाओं को समझें और संकट में घिरे लोगों को समय रहते सहारा दें। फिलहाल गांव में शोक का माहौल है और अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं। पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर गहरी संवेदना व्यक्त की जा रही है।

एक नजर

डीसीएम की टक्कर से युवती हुई घायल, गोद भराई से एक दिन पहले हुआ हादसा

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेशः आसीवन थाना क्षेत्र में लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर एक डीसीएम की टक्कर से सड़क पार कर रही 19 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यह घटना रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे कस्बा मियागंज के मोहल्ला बगिया निवासी मनीषा पुत्री अनिल कुमार के साथ हुई। मनीषा अपनी मां सीता के साथ बाजार में सब्जी लेनेगई थी। लखनऊ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डीसीएम ने सड़क पार करते समय उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मियागंज सीएचसी में डॉक्टर उमर फारूक ने मनीषा का प्राथमिक उपचार किया। उन्होंने बताया कि मनीषा के पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता है। बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने डीसीएम चालक को वाहन सहित हिरासत में ले लिया है। मनीषा की सोमवार को गोद भराई होनी थी, जिसकी शादी उन्नाव के कल्याणी देवी मंदिर के पास तय हुई है।

नाकाबंदी देख तस्कर ने कार में लगाई आग, डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार

प्रकाश गदारी/राजस्थानः राजसमंद जिले के देसूरी में पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा पोस्त से भरी एक कार पकड़ी है। पुलिस की नाकाबंदी देख तस्कर ने फिल्मी अंदाज में भागने की कोशिश की और पुलिस के पीछा करने पर गाड़ी में आग लगा दी, लेकिन पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया हरिओम आश्रम के पास देसूरी पुलिस और एएनटीएफ की टीम नाकाबंदी कर वाहनो की तलाश कर रहे थे इसी दौरान एक सेंसिगन्ध कार को रुकने को इशारा किया गया, लेकिन चालक वाहन मोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने तुरंत पीछा किया घेराबंदी सख्त होती देख तस्कर देसूरी नाल स्थित रिधि सीधी मंदिर के पास पहुँचा और सबूत मिटाने की नीयत से कार में आग दी हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया। आग बुझाने के बाद कार की तलाशी ली गई। उसमें दो कट्टों में भरा डोडा पोस्त बरामद हुआ पुलिस ने कार और मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया आगे की कार्रवाई जारी कर दिया गया है।

युवाओं के लिए सुनहरा मौका, दिघौट स्कूल में फुटबॉल कोच भर्ती शुरू

कपूर चंद/हरियाणाः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक खेल विभाग के यादी क्रमांक खेल नर्सरी 2026/12977-97 दिनाँक 28-4-26 एवम् जिला खेल अधिकारी पलवल के यादी क्रमांक खेल 2026/1507 दिनांक 29-4-2026 एवम् खेल विभाग पत्र क्रमांक खेल 2026/1508-10 दिनांक 29-4-26 आदेशानुसार रा० व. मा० विद्यालय, दिघौट को फुटबाल खेल नर्सरी में प्रशिक्षक की आवश्यकता है। योग्यता संलग्न है। एवम दिशा-निर्देश इस प्रकार है। नर्सरी का कार्यकाल रहेगा। 01 अप्रैल से लेकर 31 जनवरी तक एवम मानदेय 20000/- से लेकर 25000/-प्रति माह रहेगा। इच्छुक आवेदक 7 दिन के अंदर अपना प्रतिवेदन रा?० व. मा० विद्यालय,दिघौट? के कार्यालय में जमा करा सकते है।

शॉर्ट सर्किट से लगी तीन दुकानों में भीषण आग, एक युवक की जिंदा जलकर हुई मौत

अरुण कुमार/उत्तर प्रदेशः घाटमपुर कानपुर नगर उत्तर प्रदेश के कस्बे में दिना मार्केट में सुबह एक भीषण हादसा हो गया, यहां पर शॉर्ट सर्किट के चलते तीन दुकानों में अचानक आग लग गई। सुबह के समय बाजार खुल ही रहा था की स्थानीय लोगों ने एक दुकान से दुआ उठाते उठते देखा लोगों ने पुलिस और फायर विकेट को सूचना दी देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पास की दो दुकानों की भी चपेट में ले लिया बताया जा रहा है। तीनों दुकाने एक ही परिवार के भाइयों की थी जिससे नुकसान अधिक मात्रा में हो गया आग इतनी तेजी से फैली की दुकानों के अंदर मौजूद एक युवक बाहर नहीं निकल सका और जिंदा जलकर उसकी दर्दनाक मौत हो गई मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास किया जबकि पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र को घेर कर लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा मौके पर आग की चपेट में आने से दुकानों में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया मौके पर कानपुर सीएफओ मौजूद रहे और कुछ अन्य लोग भी परिवार के आग में झुलस गए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र मैं प्रशासन के द्वारा इलाज के लिए भेजा गया घटना की जांच प्रशासन द्वारा की जा रही है।

कार से भारी मात्रा में हुई विदेशी शराब बरामद, एक आरोपी भी हुआ गिरफ्तार

राजपूत रणजीत

गुजरातः थराद पुलिस ने राह गांव बॉर्डर स्थित थरा-राह रोड पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम गश्त पर थी, तभी मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी के दौरान कार से भारतीय निर्मित विदेशी शराब की कुल 122 बोतल/बीयर टिन बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 2,60,200 रुपये है। पुलिस ने शराब के साथ स्विफ्ट कार और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 6,25,200 रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जोगसिंह देवड़ा निवासी विंचीवाडी, थाना धानेरा, जिला बनासकांठा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर बदमाश हुए गिरफ्तार, तमंचा और चोरी की बाइक भी हुई बरामद

ऋषभ यादव

उत्तर प्रदेशः मैनपुरी जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बिछवां पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 315 बोर तमंचा, जिंदा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार संदिग्ध बदमाशों की सूचना मिलने पर थाना बिछवां पुलिस क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने बाइक सवार दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं दूसरे आरोपी से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार दोनों अपराधियों पर विभिन्न थानों में कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं और लंबे समय से उनकी तलाश की जा रही थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 315 बोर तमंचा, जिंदा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की है। बरामद बाइक के संबंध में भी जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

रामपुर मनिहारान में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः रामपुर मनिहारान सरकार के निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के मार्गदर्शन में नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक उम्मेद कुमार के नेतृत्व तथा एंटी रोमियो टीम प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवेश शर्मा के संरक्षण में बुधवार को महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के द्वितीय चरण के अंतर्गत पुलिस टीम ने नगर के पंजाब नेशनल बैंक, मैन बाजार और सराफा बाजार सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इस दौरान महिलाओं को 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा तथा 181 महिला हेल्पलाइन जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर तुरंत इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा आत्मरक्षा के उपायों पर भी जागरूक किया। महिलाओं को घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, स्टॉकिंग एवं अन्य अपराधों के विरुद्ध निर्भीक होकर शिकायत दर्ज कराने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। अभियान के दौरान डिजिटल अरेस्टिंग से बचाव, साइबर क्राइम संबंधी जानकारी एवं महिला कल्याण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया तथा जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए।

इस अवसर पर एंटी रोमियो टीम प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवेश शर्मा के साथ महिला कांस्टेबल नेहा, रुपाक्षी, सोनम एवं महिला पुलिस कर्मी सविता सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शराब बरामदगी के बाद हुई बड़ी कार्रवाई, दो पुलिसकर्मी भी हुए निलंबित

राजपूत रणजीत

गुजरातः मेहसाना तालुका पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले छठियारादा गांव से लाखों रुपये की विदेशी शराब जब्त किए जाने की घटना में पुलिस व्यवस्था में बड़ी कार्रवाई की गई है। गांधीनगर राज्य निगरानी प्रकोष्ठ एसएमसी द्वारा की गई छापेमारी के बाद, स्थानीय पुलिस की लापरवाही की जानकारी मिलने पर पुलिस प्रमुख ने तालुका पुलिस स्टेशन के एक निजी जांच अधिकारी और एक जमादार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, गांधीनगर राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की टीम ने एक सूचना के आधार पर मेहसाना तालुका के छठियारादा गांव के बाहरी इलाके में छापा मारा। इस अभियान के दौरान पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की। इस छापेमारी में कुल 18 लाख रुपये मूल्य की शराब और अन्य सामान बरामद हुआ। स्थानीय पुलिस की नाक के नीचे इतनी बड़ी मात्रा में शराब होने के बावजूद, इस पर ध्यान न देना या कोई कार्रवाई न करना एक गंभीर मामला माना गया।

एडीसी लक्षित सरीन हुई सख्त, पोर्टल पर लंबित कार्य जल्द निपटाने के दिए निर्देश

अनिल

हरियाणाः हांसी में 14 मई को अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जाति प्रमाण पत्र सहित पोर्टल पर लंबित सभी कार्यों को निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाए, ताकि पात्र व्यक्तियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार का कार्य पोर्टल पर लंबित नहीं रहना चाहिए।अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन वीरवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में आयोजित पटवारियों, कानूनगो तथा राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभिन्न राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

एडीसी ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में पूरी सतर्कता एवं पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत जाति संबंधी विवरण की पुष्टि के लिए संबंधित पटवारी गांव के नंबरदार अथवा मौजिज व्यक्तियों से सत्यापन अवश्य करें, ताकि प्रमाण पत्र सही तथ्यों के आधार पर जारी किए जा सकें। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में आने वाले लोगों के साथ शालीन एवं सकारात्मक व्यवहार किया जाए तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन पटवारियों, कानूनगो तथा राजस्व अधिकारियों के पास पोर्टल पर लंबित मामले हैं, वे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करें।

अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जरूरतमंद एवं गरीब वर्ग के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ सही पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए सभी अधिकारी पूरी ईमानदारी एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि आमजन को घर बैठे सरकार की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर तहसीलदार अनिल कुमार बिढान, नायब तहसीलदार सुरेश कुमार , नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह सहित पटवारी, कानूनगो और पोर्टल से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

● जूलरी स्टॉक में हाहाकार, 20 प्रतिशत तक गिरावट

पहले मोदी की अपील और अब इम्पोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जूलरी स्टॉक्स में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट आई है। सरकार ने सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दी है। इससे देश में सोने और चांदी की मांग प्रभावित होने की आशंका है। इससे जूलरी कंपनियों के शेयरों में शुरुआती कारोबार में छह फीसदी तक गिरावट आई है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए लोगों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। इससे सोमवार और मंगलवार को जूलरी स्टॉक्स में भारी गिरावट आई थी। पिछले तीन दिन में इनमें 20 फीसदी तक गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नुकसान कल्याण जूलर्स को हुआ है। कंपनी का शेयर करीब छह फीसदी गिरावट के साथ 340.10 रुपये तक गिर गया। यह इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। पिछले सत्र में यह बीएसई पर 361.95 रुपये पर बंद हुआ था और आज 346.25 रुपये पर खुला। पिछले तीन दिन में कंपनी के शेयरों में करीब 20 फीसदी गिरावट आई है। यह शेयर अपने पीक से इसकी कीमत में 45 फीसदी गिरावट आई है। पिछले साल 24 जुलाई को यह 617.30 रुपये तक गया था जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है।

लगातार तीसरे दिन गिरावट

सरकार ने सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत की जूलरी कंपनियों के शेयरों में आज 6 फीसदी तक गिरावट आई लगातार तीसरे दिन जूलरी शेयरों में गिरावट, 20 प्रतिशत तक लुढ़के मोदी ने लोगों से एक साल तक सोने नहीं खरीदने की अपील की थी दूसरे शेयरों का प्रदर्शन सेनको गोल्ड का शेयर में 1.6 फीसदी गिरावट आई है। लेकिन पिछले तीन दिन में इसमें 18 फीसदी गिरावट आई है। पिछले सत्र में यह 312.65 रुपये पर बंद हुआ था जबकि 299.20 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 315.25 रुपये तक हाई और 299.20 रुपये तक लो गया। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 404.80 रुपये और न्यूनतम स्तर 275.70 रुपये है। टाटा ग्रुप की जूलरी कंपनी टाइटन के शेयरों में पिछले तीन दिन में करीब 12 फीसदी गिरावट आई है। कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 4,054.05 रुपये पर बंद हुआ था और आज 4,043.95 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह करीब 1 फीसदी गिरावट के साथ 3,987.55 रुपये पर आ गया। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 4,601.10 रुपये और न्यूनतम स्तर 3,301.05 रुपये है।

भारत ने कभी रूस से एलएनजी आयात किया ही नहीं, हरदीप पुरी ने रखे फैक्ट, पीएम की अपील का किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील की आलोचना करने वालों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भारत में कोई संकट नहीं है। विरोधियों पर घबराहट और गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। फैक्ट रखते हुए यह भी बताया कि भारत ने कभी रूस से एलएनजी आयात किया ही नहीं। यह प्रतिक्रिया उन रिपोर्टों के बाद आई जिनमें दावा किया गया था कि भारत ने रूस से एलएनजी आयात लेने से इनकार कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री ने अपनी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना काल हो या फिर कुछ और। विपक्ष ने हमेशा अफवाह फैलाने की कोशिश की। लोगों को भड़काने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान देश ने अपने दैनिक एलपीजी उत्पादन में लगभग 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पुरी ने उन रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि भारत ने रूस से एलएनजी लेने से मना कर दिया है। उन्होंने इसे भ्रामक करार देते हुए बताया कि भारत ने कभी रूस से एलएनजी आयात किया ही नहीं। पुरी ने कहा, 'जो

लोग 1.4 अरब भारतीयों और देश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए मुश्किल हालात समझकर जश्न मना रहे हैं, उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए।' वह बोले, 'अपनी साख को नुकसान पहुंचाते हुए वे जिस घबराहट, डर और अफवाहबाजी में लगातार लिप्त रहे हैं, वह उन्हें बस यहीं तक ले जाएगी, इससे आगे नहीं।'

क्यों आई पुरी की यह प्रतिक्रिया

मंत्री की यह प्रतिक्रिया तब आई जब विपक्षी दलों ने पीएम मोदी की अपील की आलोचना की। पीएम मोदी ने हाल में देश के नागरिकों से अपील की थी। ईंधन की खपत कम करने और जहां संभव हो 'फ्रॉम होम' अपनाने को कहा था। सोने की गैर-जरूरी खरीद और विदेश यात्रा को टालने के लिए भी बोला था। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के बीच यह अपील की गई थी।

भारत में कोई संकट नहीं

पुरी ने कहा कि पीएम के मैसेज को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत में कोई संकट नहीं है। पीएम ने नागरिकों को सिर्फ ऊर्जा की खपत को संयमित करने की सलाह दी है ताकि अर्थव्यवस्था पर कोई वित्तीय बोझ न पड़े। ऐसा इसलिए नहीं किया गया क्योंकि हमारे पास एनर्जी सप्लाई में कोई समस्या है।

खाड़ी देशों से आता है भारत का 38 प्रतिशत रेमिटेंस, पश्चिम एशिया संकट इकॉनमी के लिए परीक्षा जैसा: सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ इकनॉमिक एडवाइजर वी अनंत नागेश्वरन का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट देश के भुगतान संतुलन की स्थिति के लिए एक इम्तिहान की तरह है। हालांकि उन्होंने यह भरोसा जताया कि भारत ने जिस तरह का राजकोषीय अनुशासन दिखाया है, इन्फ्रास्ट्रक्चर में जिस तरह निवेश किया है और जैसे सुधार किए हैं, उनके दम पर मौजूदा हालात से निपटा जा सकता है। पश्चिम एशिया में करीब ढाई महीने से संघर्ष चल रहा है और फिलहाल इसका कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का 87 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है और इसका भी 46 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता रहा है। एलपीजी की जरूरत का 60 प्रतिशत आयात होता है और उसका भी 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा खाड़ी इलाके से आता है। वहीं, सालाना रेमिटेंस का 38 प्रतिशत हिस्सा खाड़ी देशों से भारत आता है। इसे देखते हुए पश्चिम एशिया संकट विदेश नीति का ऐसा मसला नहीं है, जो कभी-कभी आर्थिक नीतियों को भी प्रभावित करता है। सीईए ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट देश के भुगतान संतुलन की स्थिति के लिए एक इम्तिहान की तरह है भारत राजकोषीय अनुशासन, इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश और सुधारों के दम पर मौजूदा हालात से निपट सकता है

भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का 87 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है और 46 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता रहा है इसी तरह एलपीजी की जरूरत का 60 प्रतिशत आयात होता है और उसका भी 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा खाड़ी इलाके से आता है पश्चिम एशिया संकट विदेश नीति का ऐसा मसला नहीं है, जो कभी-कभी आर्थिक नीतियों को भी प्रभावित करता है

क्या है मुख्य चुनौती

चीफ इकनॉमिक एडवाइजर ने कहा कि यह भुगतान संतुलन की स्थिति के लिए एक इम्तिहान है, जिसका सीधा संबंध महंगाई, चालू खाते और एक्सचेंज रेट से है। नागेश्वरन ने कहा कि इस वित्त वर्ष में चालू खाते को संभालना और रुपये में गिरावट को रोकना मुख्य चुनौती है। देश में किसी खास अवधि में आने वाली रकम और यहां से बाहर जाने वाली रकम के अंतर को भुगतान संतुलन कहा जाता है। युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपया 5 प्रतिशत कमजोर हो चुका है।

मध्य-पूर्व तनाव से महंगी हुई खेती, डीएपी के दाम में 40 प्रतिशत उछाल

मुंबई, एजेंसी। मध्य-पूर्व में जारी तनाव का असर अब भारत की खेती पर भी दिखाई देने लगा है। खेती में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। भारत ने अब डायअमोनियम फॉस्फेट को युद्ध से पहले की तुलना में लगभग 40 फीसदी अधिक कीमत पर खरीदने का समझौता किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन पोटाश लिमिटेड पश्चिमी तट के लिए 7.05 लाख टन डायअमोनियम फॉस्फेट उर्वरक 930 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदेगी, जबकि पूर्वी तट के लिए 6.41 लाख टन उर्वरक 935 डॉलर प्रति टन के भाव पर लिया जाएगा। फरवरी में यही कीमत करीब 667 डॉलर प्रति टन थी। खाद की कीमत बढ़ने का सीधा असर खेती की लागत पर पड़ता है। किसान फसल उत्पादन में बड़ी मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करते हैं। यदि सरकार सब्सिडी नहीं बढ़ाती है, तो किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। फिलहाल सरकार डायअमोनियम फॉस्फेट पर सब्सिडी देती है, जिससे किसानों को कुछ राहत मिलती है। फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की वैश्विक सप्लाई का बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है। ऐसे में क्षेत्रीय तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित बाधा से सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। इससे आने वाले समय में खाद की कीमतों में और तेजी आ सकती है। भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया की खरीद भी की है, जिसके लिए पहले के मुकाबले लगभग दोगुनी कीमत चुकानी पड़ी। यह खरीद ऐसे समय में हुई है जब देश में मानसून सीजन शुरू होने वाला है और किसान धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे हैं। अगर उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो खेती की कुल लागत बढ़ सकती है। इसका असर धीरे-धीरे आटा, चावल, दाल और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर दिखाई दे सकता है।

गौतम अडानी का घटा रुतबा, 6.07 अरब डॉलर का झटका, मुकेश अंबानी टॉप-20 अरबपतियों की लिस्ट से बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अमीरों में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी का रुतबा थोड़ा कम हुआ है। मंगलावर को ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट हुई। इस कारण उनकी दौलत

6.07 अरब डॉलर कम हो गई। अब अडानी ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में 17वें पायदान से खिसककर 18वें पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी दुनिया के अरबपतियों की टॉप-20 लिस्ट से बाहर हो गए हैं। अंबानी ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के 21वें पायदान पर पहुंच गए है। माइकल डेल मंगलवार को दौलत गंवाने वाले अरबपतियों में नंबर एक रहे। इन्हें 21 अरब डॉलर का झटका लगा है। अडानी का अब नेटवर्थ 102 अरब डॉलर रह गया है। दूसरी ओर मुकेश अंबानी की दौलत 89.3 अरब डॉलर रह गई है।

दुनिया के टॉप-10 अमीरों के नेटवर्थ में क्या हुआ बदलाव

टेस्ला के शेयरों में गिरावट की बदौलत एलन मस्क की दौलत में मंगलवार को 8.35 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इस गिरावट के साथ ही उनका नेटवर्थ 688 अरब डॉलर पर आ गया है।

शेयर बाजार के इंडेक्स बने हैं रोलर कोस्टर, पेनी स्टॉक सुबह ही जा फंसा अपर सर्किट में

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के इंडेक्स आज सुबह से ही रोलर कोस्टर बना हुआ है। बीएसई का सेंसेक्स जब खुला तो 119.90 अंक नीचे था। लेकिन थोड़ी ही देर में यह करीब 400 अंक ऊपर चला गया। इसी बीच गिरावट आई तो लगभग 400 से ज्यादा अंक नीचे चला गया। लेकिन इस स्थिति में भी इंडस्ट्रियल केमिकल की लॉजिस्टिक्स और ट्रेडिंग कंपनी ए-1 लिमिटेड (बीएसई - 542012) के शेयर सुबह ही अपर सर्किट में जा फंसे।

ए-1 केमिकल ने कल ही वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही का परिणाम जारी किया है। शेयर बाजार को दी गई नियामकीय जानकारी के अनुसार मार्च 2026 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए कंपनी ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है। कंपनी ने चौथी तिमाही में 4.36 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह एक साल

पहले की इसी तिमाही के के 0.84 करोड़ रुपये के मुकाबले 417.11 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। इस दौरान ऑपरेशनल रेवेन्यू 145.27 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले के 109.62 करोड़ रुपये के मुकाबले 32.51 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने 5.99 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.65 करोड़ रुपये की तुलना में 64.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस दौरान ऑपरेशनल रेवेन्यू 342.91 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले के 331.49 करोड़ रुपये के मुकाबले 3.44 प्रतिशत की वृद्धि है।

क्या रही शेयर की चाल: ए-1 लिमिटेड के शेयर बीएसई में कल 10.26 रुपये पर बंद हुए थे। आज सुबह इसके शेयर 10.77 रुपये पर खुले जो कि कल के मुकाबले पांच फीसदी ज्यादा है। कारोबार के दौरान इसके शेयर थोड़ी देर के लिए 10.76 रुपये पर आए, लेकिन तुरंत ही यह फिर 10.77 रुपये पर चले गए। इस कंपनी के शेयर का सर्किट लिमिट पांच फीसदी का है। मतलब कि यह शेयर सुबह ही अपर सर्किट में फंस गए। पेनी ब्रिटिश मुद्रा पाउंड स्टर्लिंग की एक इकाई है। शेयर बाजार में पेनी स्टॉक का अर्थ उन लिस्टेड कंपनियों के शेयर से लगाए जाते हैं, जिनकी कीमत बहुत कम होती है। आमतौर पर इन कंपनियों के शेयर का दाम एक रुपया से 50 रुपये के बीच होता है। ये शेयर होते तो सस्ते हैं, लेकिन इनमें रिस्क भी बहुत ज्यादा होता है। इनमें उच्च अस्थिरता और कम लिक्विडिटी भी होती है। लेकिन कम दाम के कारण इनमें कम समय में तेजी से रिटर्न देने की क्षमता भी होती है।

महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल

इस लॉजिस्टिक कंपनी ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने बताया है कि उसके 90 प्रतिशत से अधिक व्हीकल अब डेट-फ्री हैं। इसले लक्ष्य तय किया है कि अक्टूबर 2026 तक उसके सभी व्हीकल पूरी तरह से डेट-फ्री हो जाएंगे। ऋण-मुक्त बेड़े में परिवर्तित हो जाएगी। साथ ही कंपनी अपने मौजूदा बेड़े में 10 मल्टी-एक्सल टैंकर जोड़कर अपनी लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को और बढ़ा रही है। इस विस्तार के साथ, कंपनी के स्वामित्व वाले बेड़े में वाहनों की कुल संख्या बढ़कर 71 हो जाएगी, जिससे यह बढ़ती ग्राहक मांग को बेहतर ढंग से पूरा करने और सभी बाजारों में समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने में सक्षम होगी।

● खड़ा किया 45 करोड़ का करोबार, साधारण से काम से भी कामयाबी की बुलंदियों को छुआ जा सकता है

लैब से कड़ाही तक, साइंटिस्ट पति-पत्नी ने नौकरी छोड़कर बेचे समोसे

नई दिल्ली, एजेंसी। निधि और शिखर सिंह बेंगलुरु के रहने वाले हैं। इस कपल ने साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो साधारण से काम से भी कामयाबी की बुलंदियों को छुआ जा सकता है। बायोटेक्नोलॉजी की फील्ड में अपनी जमी-जमाई मोटी सैलरी वाली जॉब छोड़कर दोनों ने कारोबार की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। स्टार्टअप को बड़ा करने के लिए अपना घर तक बेच डाला। इसका नाम 'समोसा सिंह' है। आज यह ब्रांड भारतीय स्नैक्स की दुनिया में बड़ा नाम बन चुका है। इसने पारंपरिक स्वाद को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर एक नई पहचान हासिल की है। इसका टर्नओवर 45 करोड़ रुपये पहुंच गया है। आइए, यहां निधि और शिखर सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2015-16 की बात है। निधि और शिखर ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने सफल करियर को छोड़कर समोसे बेचने का मन बनाया। इससे उनके कई करीबी हैरान रह गए। उन्होंने दोनों को खूब

टोका। उनका मानना था कि एक सुरक्षित और शानदार जिंदगी को छोड़कर इस तरह का रिस्क लेना समझदारी नहीं है। हालांकि, इस कपल ने एक फूड कोर्ट में गौर किया था कि समोसा भारत का सबसे पसंदीदा स्नैक तो है। लेकिन, मार्केट में कोई बड़ा ब्रांडेड प्लेयर नहीं है। इसी कमी को पूरा करने के लिए शिखर ने पहले नौकरी छोड़ी। उनका मानना था कि 'बैकअप' होने पर इंसान अपना 100 प्रतिशत नहीं दे पाता।

साइंस बैकग्राउंड से होने के कारण कपल ने समोसे को सिर्फ एक रेसिपी के बजाय विज्ञान की तरह देखा। उनकी सबसे बड़ी चुनौती समोसे का 'सोगी' (नरम या गीला) होना था। ऐसा डिलीवरी के दौरान अक्सर हो जाता है। अपनी बायोटेक स्किल्स का इस्तेमाल करके उन्होंने विशेष रोलर्स और तकनीक विकसित की। यह मैदे के 'ग्लूटेन बॉन्ड्स' को तोड़ देती है। इस तकनीक की मदद से उनके समोसे डिलीवरी के 6 घंटे बाद भी उतने ही कुरकुरे रहते हैं, जितने कड़ाही से निकलने पर होते हैं। सफर की शुरुआत बेंगलुरु में महज 300 वर्ग फीट की एक छोटी सी रसोई और एक रसोइए के साथ हुई थी। शुरू में शिखर खुद डिलीवरी करते थे। निधि ग्राउंड लेवल पर मैनेजमेंट देखती थीं। व्यापार को बड़ा करने और मांग को पूरा करने के लिए एक समय ऐसा आया जब उन्होंने बिना डरे अपना खुद का मकान तक बेच दिया ताकि निवेश की कमी न हो। उनकी मेहनत रंग लाई।

पश्चिम एशिया संकट के बीच बढ़ी खुदरा महंगाई, अप्रैल में 3.48 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के आभूषणों और रसोई से जुड़े कुछ उत्पादों के दाम बढ़ने से अप्रैल में खुदरा महंगाई की दर मामूली रूप से बढ़ी है। यह बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई। मंगलवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पश्चिम एशिया में जारी घमासान के बीच महंगाई का बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 को आधार मानकर किए गए कैलकुलेशन के आधार पर खुदरा महंगाई दर अप्रैल में 3.48 फीसदी रही। मार्च में यह 3.40 फीसदी थी। इसके पहले फरवरी में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 3.21 फीसदी जबकि जनवरी महीने में 2.74 फीसदी रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से अप्रैल में खाद्य महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 4.2 फीसदी हो गई। मार्च में यह 3.87 फीसदी थी। कीमतों में सबसे अधिक 144.34 फीसदी की बढ़ोतरी चांदी से बने आभूषणों में दर्ज की गई। इसके बाद नारियल-कोपरा (44.55 फीसदी), सोना, हीरा और प्लैटिनम आभूषण (40.72 फीसदी), टमाटर (35.28 फीसदी) और फूलगोभी (25.58 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, अप्रैल में आलू, प्याज, कार-जीप, मटर और एयर कंडीशनर की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान जताया था। आरबीआई ने इसके 4.6 फीसदी रहने के अनुमान जाहिर किए थे। वहीं, पहली तिमाही के लिए चार फीसदी महंगाई का अनुमान था। आरबीआई ने कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा संसाधनों की ऊंची कीमतें और संभावित 'अल नीनो' प्रभाव के कारण महंगाई बढ़ने का जोखिम है।आरबीआई अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के दौरान खुदरा महंगाई के आंकड़ों को ही ध्यान में रखकर निर्णय करता है। एनएसओ के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई की दर 3.74 फीसदी और 3.16 फीसदी दर्ज की गई।

संक्षिप्त

ज्ञानेश्वरी यादव ने जीता सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल

गांधीनगर, एजेंसी। एशियन सीनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, जो 11 मई 2026 को प्रतिष्ठित महात्मा मंदिर और प्रदर्शनी केंद्र में शुरू हुई थी, पूरे महाद्वीप से बेहतरीन प्रदर्शनों की गवाह बन रही है। इस चैंपियनशिप में 28 एशियाई देशों और 2 कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, और यह 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट के तौर पर भी काम करती है। कुल 178 बेहतरीन एथलीट इसमें हिस्सा ले रहे हैं, जिससे यह इस साल भारत में आयोजित होने वाले सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में से एक बन गया है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन, भारत के मेडल टैली में और इजाफा हुआ, जब ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नैच सेक्शन में सिल्वर मेडल और कुल 194 किलोग्राम भार उठाकर टोटल कैटेगरी में ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।

ईस्ट बंगाल बना आईडब्ल्यूएल 2025-26 का चैंपियन

कोलकाता, एजेंसी। ईस्ट बंगाल एफसी ने इंडियन वीमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) 2025-26 का खिताब शानदार अंदाज़ में अपने नाम किया। नीता फुटबॉल एकेडमी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ, उन्होंने दो मैच बाकी रहते ही अपना खिताब बरकरार रखा। इससे पहले दिन में, गोकुलम केरल एफसी ने श्रीभूमि एफसी के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की, जबकि सेतु एफसी और सेसा फुटबॉल एकेडमी के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। मैचडे 12 के खत्म होने के बाद, चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी 33 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है। सेतु एफसी 23 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि किकस्टार्ट एफसी कर्नाटक 19 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने नये चयनकर्ता और नई टेस्ट टीम का ऐलान किया

लंदन, एजेंसी। एशेज श्रृंखला में हार के मद्देनजर आत्ममंथन के दौर के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पहली बार विदेशी राष्ट्रीय चयनकर्ता नियुक्त किया है और नई टेस्ट टीम चुनी है। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्कस नॉर्थ को चयनकर्ता बनाया गया है जो 2018 के बाद से छह इंग्लिश काउंटी टीमों के लिये खेल चुके हैं और डरहम के क्रिकेट निदेशक भी रहे हैं जहां उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के साथ काम किया है। इंग्लैंड के पास ब्रेंडन मैकुलम जैसा विदेशी मुख्य कोच है। नॉर्थ अब ल्यूक राइट की जगह लेंगे जो तीन साल इस पद पर रहे। एशेज श्रृंखला में मिली 1 . 4 से हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ चार जून से शुरू हो रही श्रृंखला के लिये सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली और तीसरे नंबर के बल्लेबाज ओली पोप को टीम में जगह नहीं मिली है।

जोफ्रा आर्चर टी20 व्यस्तताओं

ज्ञानेश्वरी ने एशियाई सीनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में दो पदक जीते

गांधीनगर, एजेंसी। भारत की भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने बुधवार को यहां 2026 एशियाई सीनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 53 किग्रा वर्ग में रजत और कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच वर्ग में रजत और फिर इसी स्पर्धा में कुल 194 किग्रा का वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। चीन की जिनलान झाओ ने कुल 216 किग्रा भार उठाकर इस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि वियतनाम की होआई हुओंग गुयेन को कुल 195 किग्रा वजन उठाने पर रजत पदक मिला। कोमल कोहर ने सोमवार को महिलाओं की 48 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए पदकों का खाता खोला था। सोमवार से शुरु हुई इस चैंपियनशिप में 28 एशियाई देशों और दो राष्ट्रमंडल देशों के 178 भारोत्तोलक हिस्सा ले रहे हैं और यह 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता भी है।

सीएसके के पास प्लेऑफ में पहुंचने का शानदार मौका

आरआर काफी हद तक सूर्यवंशी पर निर्भर: पीयूष चावला

- चेन्नई सुपर किंग्स 11 में से 5 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर मौजूद है।

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर पीयूष चावला का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने का बेहतरीन मौका है। लगातार तीन जीत के साथ पांच बार की चैंपियन टीम ने टॉप-4 की दौड़ के लिए जरूरी मोमेंटम हासिल कर लिया है।

ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स 11 में से 5 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर मौजूद है। इस टीम ने शुरुआती तीन हार के बाद जीत की लय हासिल करते हुए अगले 8 में से 6 मुकाबले अपने नाम किए। फिलहाल इस टीम के पास 12 अंक हैं।

प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष चार टीमों पर नजर डालें, तो गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के पास 14-14 अंक हैं। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे पायदान पर मौजूद है।

पीयूष चावला ने 'जियोस्टार' पर कहा, "मुझे लगता है कि चेन्नई सुपर किंग्स के पास एक अच्छा मौका है। हम टी20 क्रिकेट में मोमेंटम के बारे में बहुत बात करते हैं, और पिछले तीन मैच जीतने के बाद उनके पास वह मोमेंटम है। वे सच में बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। उनके बल्लेबाज अपना काम कर रहे हैं, लेकिन यह गेंदबाज हैं- अंशुल कंबोज, स्पिन जोड़ी नूर और अकील हुसैन और मिडिल ओवर्स में जेमी ओवरटन, जो असली फर्क पैदा कर रहे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने पिछले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 5 विकेट से जीत हासिल की थी। सीएसके ने साल 2018 के बाद पहली बार 200 से ज्यादा का स्कोर चेज किया।

इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने पावरप्ले के खेल तक 1 विकेट गंवाकर 97 रन बना लिए थे, जो आईपीएल में उनका दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था। इस दौरान उर्विल पटेल ने महज 9 गेंदों में 42 रन बना लिए। बाद में उन्होंने महज 13 गेंदों में अपना अर्धशतक भी पूरा करते हुए 65 रन की पारी खेली।

इस मुकाबले में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 42 रन बनाए, जबकि शिवम दुबे (7 गेंदों पर 15*) और प्रशांत वीर (12 गेंदों पर 17*) ने मैच को फिनिशिंग टच दिया। पीयूष चावला ने कहा, "200 का स्कोर अब आम बात हो गई है, लेकिन जब आप टीमों को उससे कम स्कोर तक सीमित रखते हैं, तो बल्लेबाजों को भी थोड़ी राहत मिलती है। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने हाल के मुकाबलों में ऐसा करने में कामयाबी हासिल की है। चावला ने आगे कहा कि राजस्थान रॉयल्स (आरआर) अभी भी दौड़ में मजबूती से बनी हुई है, उनका मानना है कि इस टीम की किस्मत का दारोमदार युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के कंधों पर हो सकता है। उन्होंने कहा, "आरआर भी दौड़ में है, लेकिन बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि वैभव सूर्यवंशी अगले तीन मुकाबलों में कैसा खेलते हैं। बाकी खिलाड़ियों को भी निर्णायक योगदान देना शुरू करना होगा, जिसकी अब तक कमी खल रही थी।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग बुमराह शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी।

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को जारी आईसीसी की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल बल्लेबाजों की सूची में क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट 880 अंक के साथ शीर्ष पर हैं।

जायसवाल के 750 अंक हैं। गिल को एक स्थान का फायदा हुआ है और उनके 730 अंक हैं। हैरी ब्रूक इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं जबकि उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ का नंबर आता है।

भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत 2026 में अब तक एक भी मैच नहीं खेला है। टीम ने अपनी पिछली श्रृंखला स्वदेश में नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली थी।

गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर चल रहे बुमराह के 879 अंक हैं। इस सूची में अगला सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज हैं जो 12वें पायदान पर हैं। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस एक-एक स्थान के फायदे से क्रमशः दूसरे और चौथे पायदान पर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी तीसरे स्थान पर हैं।

रियल बेटिस ने एल्चे पर जीत के साथ चैंपियंस लीग में जगह बनाई

- बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने किया शानदार प्रदर्शन

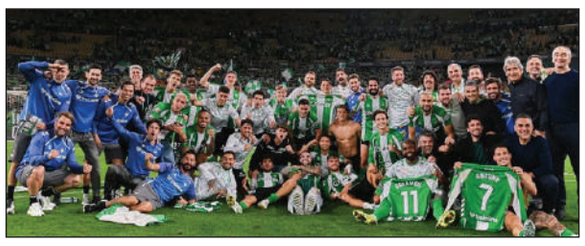

मैड्रिड, एजेंसी।

रियल बेटिस ने अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में अपनी जगह बना ली है। बेटिस ने एल्चे पर 2-1 से जीत के साथ ही ला लीगा में पांचवां स्थान हासिल करते हुए अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में जगह बनाई है।

बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौवें मिनट में कुचो हर्नांडेज को पहला गोल करने का मौका दिया और फिर 68वें मिनट में पेनल्टी एरिया के बाहर से एक शानदार कर्लिंग शॉट से विजई गोल किया।

एल्चे ने 41वें मिनट में हेक्टर फोर्ट के जरिए बराबरी कर ली, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा जब लियो पेट्रोट को एंटनी पर देर से चुनौती देने के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इस नतीजे से बेटिस का 21 साल में पहली बार चैंपियंस लीग में खेलना पक्का हो गया। वहीं, सेल्टा विगो की उम्मीदें लेवांटे से 3-2 से हार के साथ खत्म हो गईं। लेवांटे सेल्टा विगो पर जीत के बाद बॉटम थ्री से बाहर आ गया।

सेल्टा के लिए फेरान जुटग्ला ने चौथे और 48वें मिनट में गोल किए, एड्रियन डे ला फुएंते ने दो बार बराबरी की, इससे पहले रोजर ब्रुग ने गोल किया जो लेवांटे के रेलीगेशन की लड़ाई में अहम साबित हो सकता था। एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलोथ ने गोल करके एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई।

ओसासुना को 37वें मिनट में विंगर राउल मोरो को चोट के कारण खोना पड़ा, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 79वें मिनट में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया जब मार्कोस लोरेंटे को दूसरा येलो कार्ड दिखाया गया।

श्रीकांत, सिंधू थाईलैंड ओपन में जीते

बैंकॉक, एजेंसी। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और पी वी सिंधू थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में बुधवार को सीधे गेम में जीत दर्ज करके दूसरे दौर में पहुंच गए।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21 . 14, 21 . 15 से हराया। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने चीनी ताइपै की तुंग सियू तोंग को मात दी। श्रीकांत का सामना चीनी ताइपै के सू लि यांग से होगा जबकि सिंधू डेनमार्क की अमेली शूल्ज से खेलेंगी। एशिया चैम्पियनशिप के फाइनल तक पहुंचे आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13 . 21, 21 . 17, 4 . 21 से पराजय झेलनी पड़ी जबकि तरूण मन्नेपल्ली जापान के ही कोकी वातानाबे से 12 . 21, 16 . 21 से हार गए।

बांग्लादेश से हार के बाद बाबर को टेस्ट कप्तान के तौर पर वापस लाने की तैयारी में पाक

- ढाका में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद मसूद की कप्तानी को लेकर पाकिस्तान में कड़ी आलोचना हुई।

कराची, एजेंसी।

बांग्लादेश से मंगलवार को पहले टेस्ट में 104 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान शान मसूद की जगह बाबर आजम को टेस्ट कप्तान के तौर पर लाने की तैयारी कर रहा है।

ढाका में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद मसूद की कप्तानी को लेकर पाकिस्तान में कड़ी आलोचना हुई। बल्ले से भी मसूद का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह दोनों पारियों में नाकाम रहे।

टीम के करीबी एक सूत्र के अनुसार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के बाकी मैच के लिए बाबर को टेस्ट कप्तान के तौर पर फिर से नियुक्त करने का अभियान शुरू हो गया है क्योंकि पाकिस्तान को इस साल अभी सात और टेस्ट खेलने हैं।

मसूद दिसंबर 2023 से टेस्ट कप्तान नियुक्त हुए थे और तब से उनके कार्यकाल में पाकिस्तान ने 15 में से 11 मैच गंवाए हैं। वहीं बाबर घुटने की चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे और 18 मई से शुरू होने वाले दूसरे मैच में उनकी वापसी की संभावना है।

सूत्र ने कहा, ''पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कुछ प्रभावशाली लोग भी चाहते हैं कि बाबर कप्तान के तौर पर वापस आएं और उनका मानना है कि उन्हें कप्तानी का एक और मौका देने का यह सही समय है। उन्होंने कहा, ''अगर बाबर दूसरा टेस्ट खेलते हैं और लय हासिल कर लेते हैं तो वह कप्तान के तौर पर वापसी के प्रबल दावेदार होंगे।

'हम किसी खास स्टाइल की क्रिकेट नहीं खेलते': शुभमन गिल

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मंगलवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 82 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काफी खुश नजर आए। जीटी की लगातार पांचवी जीत थी और इस जीत के साथ टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर चली गई है। जीटी कप्तान ने जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया। मैच के बाद शुभमन गिल ने कहा, "हमें पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर मुश्किल होने वाला था। हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। हमने मैच से पहले गेंदबाजी को लेकर योजना बनाई थी और उसे पूरी तरह कार्यान्वित करने में सफल रहे।

आयशा जफर का रिकार्ड तेज शतक, पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराया

कराची, एजेंसी।

आयशा जफर (नाबाद 102) की रिकार्ड शतकीय पारी की बदौलत पाकिस्तान की महिला टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 153 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों 1-0 से बढ़त बना ली है।

मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में आयशा जफर ने अपनी दो छक्के और 15 चौके लगाए और पाकिस्तान महिला के लिए रिकॉर्ड जीत में तीसरा सबसे तेज महिला टी-20 शतक बनाया। उनकी नाबाद 47 गेंदों में 102 रनों की पारी के दम पर पाकिस्तान ने पांच विकेट पर 237 रन का स्कोर बनाया। यह पहली बार था जब उन्होंने इस प्रारुप में 200 का आंकड़ा पार किया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्ब्बावे की टीम पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे 84 रन पर ढेर हो गई। जिम्ब्बावे की ओर से नताशा मटोम्बा (24), एडेल जिमुनु (18) और बिलवड बिजा (10) ही दहाई अंक तक पहुंच सके। पाकिस्तान ने 153 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। यह टी-20 में रनों के हिसाब से उनकी अब तक की सबसे बड़ी जीत थी।

31 साल की जफर ने लगभग दो साल बाद मार्च में टीम में वापसी की थी। उन्होंने लेग-साइड हिट्स के साथ शानदार प्रदर्शन किया, अपना पहला टी-20 अर्धशतक बनाया और इसे इसे तीन अंकों में तब्दील किया। इसके अलावा आलिया रियाज ने (48) और गुल फिरोजा ने (37) रनों का योगदान दिया।

यूपी टी20 लीग का चौथा संस्करण 14 अगस्त से ग्रीनपार्क में

- ढाका में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद मसूद की कप्तानी को लेकर पाकिस्तान में कड़ी आलोचना हुई।

कानपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने यूपी टी-20 लीग का चौथा संस्करण 14 अगस्त से छह सितंबर के बीच कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम पर खेला जायेगा। यूपी टी 20 लीग के चेयरमैन संजय कपूर ने बुधवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में लीग के सीजन-4 के विस्तृत रोडमैप की घोषणा कर दी । इस बार लीग का मुख्य फोकस "कंसोलिडेशन एंड डिलीवरी" पर रहेगा, जिसके माध्यम से प्रतियोगिता को नए स्तर पर ले जाने की तैयारी की गई है। लीग में प्रदेश भर की छह फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी। इस सीजन में संरचित रिटेंशन नीति लागू की गई है, जिसके तहत प्रत्येक फ्रेंचाइजी न्यूनतम छह और अधिकतम 12 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेगी, ताकि टीम संतुलन और निरंतरता बनी रहे। यूपीसीए के अनुसार प्रत्येक टीम में 23 से 25 खिलाड़ी शामिल होंगे। इसमें नीलामी से चुने गए खिलाड़ियों के साथ-साथ स्थानीय कैचमेंट क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी अवसर दिया जाएगा। खिलाड़ियों के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक टीम के लिए 1.25 करोड़ रुपये का पर्स निर्धारित किया गया है। प्रबंधन ने बताया कि ट्रांसफर विंडो एक जून से 15 जून तक और ट्रायल विंडो एक जून से 30 जून तक आयोजित की जाएगी। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा खोज कार्यक्रम और ट्रायल कराकर जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों की पहचान और विकास सुनिश्चित किया जाएगा। लीग के प्रसारण अधिकार इस बार सोनी को दिए गए हैं, जिससे प्रतियोगिता की लोकप्रियता और व्यापक पहुंच को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई है। यूपीसीए ने बताया कि लीग में सेलिब्रिटी पार्टनरशिप मॉडल को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिसके माध्यम से ब्रांडिंग और प्रमोशन को नई दिशा मिलेगी। नीलामी के बाद सभी फ्रेंचाइजी शहरों में ट्रॉफी टूर आयोजित किया जाएगा, ताकि क्रिकेट प्रेमियों और स्थानीय दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ाया जा सके।

टी-20 गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने कहा कि सीजन-4 लीग के लिए एक महत्वपूर्ण चरण साबित होगा।

आईपीएल

चेतेश्वर पुजारा ने कगिसो रबाडा की गेंदबाज़ी के प्रदर्शन का विश्लेषण किया

टॉप चार में से कोई भी टीम अभी खुद को सुरक्षित नहीं मान सकती : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, एजेंसी।

गुजरात टाइटन्स ने सनराइजर्स हैदराबाद पर 82 रनों की शानदार जीत दर्ज करके टाटा आईपीएल 2026 पॉइंट्स टेबल में टॉप पर जगह बना ली है, क्योंकि प्लेऑफ़ की दौड़ अब और तेज हो गई है। जियो हॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर बात करते हुए, चेतेश्वर पुजारा ने कगिसो रबाडा की गेंदबाज़ी के प्रदर्शन का विश्लेषण किया, जबकि मोहम्मद कैफ़ ने साई सुदर्शन की पारी की तारीफ़ की और समझाया कि आरसीबी के ख़िलाफ़ मैच से पहले वरुण चक्रवर्ती की गैरमौजूदगी का केकेआर पर क्या असर पड़ सकता है।

चेतेश्वर पुजारा ने बताया कि कैसे कगिसो रबाडा ने अभिषेक शर्मा को अपनी चालाकी से मात दी। उन्होंने कहा, "जिस गेंद पर अभिषेक शर्मा आउट हुए, उस पर उन्होंने जगह बनाने की कोशिश की थी-ऐसा बल्लेबाज़ अक्सर तब करते हैं जब गेंद तेज़ होती है और उसमें उछाल होता है। लेकिन इसका श्रेय कगिसो रबाडा को जाता है। उन्होंने अभिषेक की मूवमेंट को भांप लिया था। शुरू में, रबाडा चौथे स्टंप की लाइन के

बाहर गेंदबाज़ी कर रहे थे। जब अभिषेक थोड़ा पहले ही हटकर खेलने के लिए आगे बढ़े, तो रबाडा ने अपनी लाइन बदल ली। उन्होंने बल्लेबाज़ का पीछा किया और उसे खेलने के लिए जगह नहीं दी। नतीजा यह हुआ कि गेंद बल्ले के अंदरूनी किनारे से लगकर स्टंप्स पर जा लगी। यह बहुत ही उम्दा गेंदबाज़ी थी। गेंद बल्ले के अंदरूनी किनारे से लगने से पहले अभिषेक के ग्लव पर भी लगी थी, जिससे पता चलता है कि गेंद में उम्मीद से ज़्यादा उछाल था। विकेट से भी गेंद में थोड़ी ज़्यादा तेज़ी थी।

मोहम्मद कैफ़ ने साई सुदर्शन की बल्लेबाज़ी की तारीफ़ करते हुए कहा, "इस तरह की धीमी विकेट पर, आपको एक ऐसे बल्लेबाज़ की ज़रूरत होती है जिसकी तकनीक अच्छी हो, और साई सुदर्शन में वह खूबी है। जब जीटी के शुरुआती कुछ विकेट जल्दी गिर गए, तो साई जानते थे कि उन्हें एक एंकर (पारी को संभालने वाले) की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने पारी को आखिर तक संभाले रखा और एक ऐसी पिच पर बल्लेबाज़ी को आसान बना दिया, जहाँ यह बिल्कुल भी आसान नहीं थी। यही उनकी बल्लेबाज़ी की ख़ासियत है। पिछले कुछ सालों से गुजरात टाइटन्स के लिए वह यही करते आ रहे हैं। इस मैच में, उन्होंने गेंदबाज़ों के ख़िलाफ़ जोखिम उठाने से भी गुरेज़ नहीं किया। जब भी उन्हें लगा कि रन कम बन रहे हैं, तो उन्होंने किसी न किसी तरह बाउंड्री हासिल कर ली और यह सुनिश्चित किया कि स्कोरबोर्ड लगातार चलता रहे। एसआरएच को सीएसके के खिलाफ अपना अगला मैच क्यों जीतना ज़रूरी है, उन्होंने कहा, "घर से बाहर सीएसके के खिलाफ खेलना एसआरएच के लिए एक मुश्किल चुनौती होगी। इस टूर्नामेंट में अलग-अलग हालात के हिसाब से ढलना बहुत ज़रूरी है, और एसआरएच गुजरात के खिलाफ ऐसा करने में नाकाम रही। यह उनके ड्रेसिंग रूम में चर्चा का एक अहम मुद्दा हो सकता है। अभी घबराने की कोई बात नहीं है, लेकिन यह एक ऐसी चीज़ है जिस पर उन्हें ध्यान देना होगा। वे अपने घरेलू मैदान पर पंजाब के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे, जहाँ वे सहज महसूस करते हैं और वहाँ के हालात से अच्छी तरह वाकिफ हैं। लेकिन अगर वे टॉप दो टीमों में जगह बनाना चाहते हैं, तो उन्हें चेन्नई के खिलाफ घर से बाहर जाकर जीत हासिल करनी होगी। सीएसके अभी काफी अच्छी लय में दिख रही है। इसलिए, एसआरएच के लिए अपने आखिरी दो मैचों का सफर काफी मुश्किल होने वाला है। गुजरात टाइटन्स के क्वालिफ़ाई करने की संभावनाओं पर कैफ ने कहा, "मुझे लगता है कि गुजरात टाइटन्स क्वालिफ़ाई कर जाएगी; यह बात बिल्कुल साफ है। लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स, जिनका अगला मुकाबला जीटी से है, ने अभी तक सिर्फ़ दस मैच खेले हैं और वे अच्छी फॉर्म में हैं। उन्हें या सीएसके को भी कम मत आंकिए। अगले कुछ दिनों में हमें टॉप चार टीमों की तस्वीर और भी साफ हो जाएगी। गुजरात को तो आगे बढ़ जाना चाहिए, लेकिन दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान के बारे में अभी कुछ भी पक्के तौर पर कहना मुश्किल है। अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। इस ग्रुप में कोई भी टीम अभी खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती। आरसीबी के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती की गैरमौजूदगी के असर पर उन्होंने कहा, "अगर वरुण चक्रवर्ती खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं, तो यह आरसीबी के लिए एक बहुत बड़ा फ़ायदा होगा।

नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में देरी का मुद्दा, कुनिका सदानंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में हो रही देरी के मुद्दे पर खुलकर बात की है। 'बिग बॉस 19' की पूर्व कंटेस्टेंट कुनिका ने कहा कि यह समस्या कई सालों से चली आ रही है और नए कलाकारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खास बातचीत में कुनिका सदानंद ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में तेजी आने के बाद से पेमेंट अक्सर 45 से 90 दिनों तक लेट हो जाता है। उन्होंने इसकी मुख्य वजह भी बताई। कुनिका ने कहा, 'चैनलों को एडवरटाइजर से पैसे देर से मिलते हैं। फिर चैनल प्रोड्यूसर को पैसे देते हैं। इस पूरे कॉर्पोरेट सिस्टम की वजह से देरी होती है। पैसा पहले एडवरटाइजर से चैनल के पास, फिर चैनल से प्रोड्यूसर के पास जाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से देरी हो जाती है।
अभिनेत्री ने इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि नए कलाकारों को अपनी फीस थोड़ी ज्यादा तय करनी चाहिए, लेकिन इसमें भी दिक्कत है, क्योंकि थोड़ी ज्यादा फीस मांगने पर प्रोड्यूसर दूसरे कलाकार को चुन सकते हैं। कुनिका ने आगे कहा, 'हर कलाकार की जिंदगी में एक बफर सिस्टम होना चाहिए, लेकिन यह हर समय मुमकिन नहीं होता। यह एक बहुत गंभीर समस्या है।'
उन्होंने बड़े प्रोडक्शन हाउस जैसे बालाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास पर्याप्त रिजर्व फंड होता है, इसलिए उनसे समय पर पेमेंट की उम्मीद की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब टीवी इंडस्ट्री में पेमेंट देरी का मुद्दा उठा है। इससे पहले वरुण बडोला और अर्जुन बिजलानी भी इस समस्या पर खुलकर बोल चुके हैं। कुनिका सदानंद का कहना है कि छोटे और नए कलाकारों को परेशानियों सामना करना पड़ता है। टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुनिका ने उम्मीद जताई कि प्रोड्यूसर्स और चैनल इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेंगे ताकि नए कलाकारों को आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

फिल्मी बैकग्राउंड से न आने पर करना पड़ता है संघर्ष

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी सिर्फ फिल्म का एक गाना सामने आया है, जिसे पसंद किया जा रहा है। इस बीच कृति ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि किस एक्ट्रेस की बायोपिक में वो काम करना चाहती हैं?

मेरे कई रोल स्टारकिड्स को मिल गए

इस दौरान कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर और संघर्षों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लंबे समय तक सिर्फ निराशा हाथ लगी और मनचाहे किरदार नहीं मिले। लेकिन बाद में 'मिमी' ने उनके लिए सबकुछ बदल दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ भूमिकाएं ऐसी थीं जिनके मैं बहुत करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंततः वे स्टार किड्स को मिल गईं, जो मेरे बस में नहीं था। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो आपको बहुत अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। यह चलता रहा, इस दौरान मैंने जोखिम उठाए और अधिक सोच-समझकर फैसले लिए। मैंने हर मौके को अपनी मेहनत से कमाया है। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला। एक दौर ऐसा भी था जब कुछ भी काम नहीं कर रहा था और सब कुछ उलझन भरा लग रहा था। हालांकि, मैं उस दौर के लिए आभारी हूं, क्योंकि इसने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि मैं क्या नहीं करना चाहती। असफलताएं आपको सफलता से कहीं अधिक सिखाती हैं।

19 जून को रिलीज होगी कृति की 'कॉकटेल 2'

वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति अब 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रेखा की बायोपिक करना चाहती हैं कृति

बातचीत में जब कृति सेनन से पूछा गया कि वह किसकी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहेंगी, तो कृति के मन में सिर्फ एक ही नाम था- रेखा। रेखा के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीया है। इसलिए मुझे वह बेस्ट लगती हैं। मुझे पता है कि मैं उनके जैसी बिल्कुल नहीं दिखती, लेकिन मैं उनसे प्यार करती हूं। उनका दिल, उनका साहस, उनका व्यक्तित्व। वह मिलनसार, बुद्धिमान हैं।

'द वार्ड' से रियलिटी शो की होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना दिलैक

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

शो में क्या होगा खास

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।'

इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करेंगी कल्याणी प्रियदर्शन

'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' की सफलता से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन अब इंटरनेशनल लेवल पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। कल्याणी प्रियदर्शन कान फिल्म फेस्टिवल में अपना डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह कल्याणी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक में अपने डेब्यू पर अब कल्याणी ने खुशी जताई है।

कल्याणी प्रियदर्शन ने बताया सुखद अनुभव

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को लेकर कल्याणी ने कहा कि कान फिल्म फेस्टिवल हमेशा से सिनेमा का एक प्रतिष्ठित उत्सव रहा है, इसलिए इस साल वहां होना बहुत खास लग रहा है। 'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' को मिले प्यार के लिए मैं आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारतीय सिनेमा को इस समय ग्लोबली एक शानदार तरीके से पहचान मिल रही है। ऐसे में लोका के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाना और अब कान फिल्म फेस्टिवल जैसे मंच का अनुभव करना काफी अच्छा लग रहा है और एक सुखद अनुभव है।

खुद पर दबाव नहीं डालना चाहती

कान फिल्म महोत्सव के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए कल्याणी ने कहा कि मैं बस पूरे अनुभव का आनंद लेना चाहती हूं और खुद पर ज्यादा दबाव डाले बिना आसानी से आगे बढ़ना चाहती हूं।

23 मई तक होगा कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन

79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन 12 मई से 23 मई तक किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह हर साल की तरह फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा के कान शहर के 'पैलेस डेस फेस्टिवल्स' में किया जाएगा। कान फिल्म फेस्टिवल में हर साल कई भारतीय सेलेब्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। अब इसी लिस्ट में कल्याणी प्रियदर्शन का भी नाम शामिल होने जा रहा है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से पहले बोले ऋत्विक धनजानी

टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋत्विक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋत्विक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले ऋत्विक किसी माचो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में खास बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋत्विक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की।

मैं बस रियल रहना चाहता हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले बातचीत में ऋत्विक ने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।'

इस बार लोग मेरा थोड़ा अलग साइड देखेंगे

जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चाहते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं। इस बार शायद वो मेरा वो साइड भी देखेंगे जो चुप हो जाता है, डरता है और जो खुद से लड़ता है।' शो में खुद को संभालने के लिए ऋत्विक किसी मोटिवेशनल स्पीच पर नहीं, बल्कि मेडिटेशन पर भरोसा कर रहे हैं। क्योंकि उनका मानना है कि स्टंट से ज्यादा लड़ाई आपके दिमाग के अंदर चल रही होती है।

इस बार सेट पर ड्रामा मस्ती ज्यादा होगी

बाकी कंटेस्टेंट्स की बात आते ही ऋत्विक ने फनी अंदाज में कहा कि हर्ष (गुजराल) तो पहले से दोस्त है और मुझे पता है कि हम दोनों मिलकर बहुत पागलपन करने वाले हैं। जैस्मिन (भसीन) के साथ भी बहुत मजा आएगा। सेट पर ड्रामा कम और मस्ती ज्यादा होने वाली है। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा चोट किस चीज से लगेगी, स्टंट हारने से या सबके सामने डर जाने से, तो उन्होंने कहा कि ईगो दोनों में हर्ट हो सकता है। लेकिन शायद ज्यादा तब, जब आप खुद को निराश कर दो। बाकी लोग क्या सोचते हैं, वो उतना जरूरी नहीं होता।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401